संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 341
पृष्ठ 8
गुरूवार
04 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- घर में है शादी तो अभी निपटा लें...

विचार- वोट चोरी के खिलाफ पूरा विपक्ष...

खेल- पहले वनडे में इंग्लैंड की करारी हार...

विकसित भारत के लिए एक्शन में सीएम योगी, कहा-

हर क्षेत्र को चिह्नित करके काम करना जरूरी

कानपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने का सपना साकार करने के लिये देश के हर क्षेत्र को चिह्नित करके काम करना होगा। मुख्यमंत्री ने आईआईटी–कानपुर के उद्योग–अकादमिक जुड़ाव कार्यक्रम 'समन्वय' में हिस्सा लेते हुए अपने संबोधन में विकसित भारत और अर्थव्यवस्था समेत विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत केवल विकसित नहीं होगा बल्कि वह आत्मनिर्भर भी होगा और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता होगी। योगी सरकार की नौकरियां आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत के लिए हर एक क्षेत्र को चिन्हित करके उस पर काम करना होगा। उन्होंने कहा, पिछले 11 वर्षों में आपने बदलते हुए भारत को देखा है। यह बदलता हुआ भारत जो आज फिर से दुनिया की सबसे तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था में से एक है, आज दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अगले दो वर्ष में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। तीसरी से दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में युवाओं का योगदान होना है और हमारे लिए वह समय विकसित भारत का होगा। आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 में भाजपा के सत्ता में आने से पहले उत्तर प्रदेश में एक निराशाजनक वातावरण था और देश में यह धारणा बन चुकी थी कि उत्तर प्रदेश सुधरने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि पिछले आठ वर्ष में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के निवासियों के साथ मिलकर जो प्रयास प्रारंभ किये, उनका परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश देश की नंबर दो अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन चुका है। उन्होंने इस अवसर पर आईआईटी कानपुर द्वारा आयोजित समन्वय कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि कार्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और सस्टेनेबिलिटी नामक तीन महत्वपूर्ण विषयों पर अलग–अलग सत्र होंगे और उन सभी मुद्दों पर चर्चा होगी जिन्हें लेकर आज एक सामान्य नागरिक, समाज, देश और दुनिया भी चिंतित है। उन्होंने कहा कि इससे लाभान्वित होकर वे अपने आप को आगे बढ़ाना चाहेंगे। मुख्यमंत्री ने आईआईटी–कानपुर और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच तालमेल का जिक्र करते हुए कहा कि कोविड महामारी के दौरान विभिन्न निदानात्मक आकलनों के जरिये सरकार की मदद करने वाले इस संस्थान से डिफेंस कॉरिडोर परियोजना में भी सहयोग मिल रहा है।

जम्मू-कश्मीर में बाढ़ का खतरा! झेलम, चिनाब उफान पर; कई गांव जलमग्न, अलर्ट जारी

जम्मू एजेंसी। जम्मू–कश्मीर में बुधवार को अधिकारियों ने बाढ़ की चेतावनी जारी की। झेलम नदी अनंतनाग और पंपोर के संगम पर खतरे के निशान को पार कर गई है। दो दिनों तक लगातार बारिश के कारण कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, दर्जनों लोग फंसे हुए हैं और प्रमुख राजमार्ग बंद हैं। केंद्र शासित प्रदेश में लगातार भारी बारिश के कारण अखनूर में चिनाब नदी उफान पर है, जिससे गनखल गांव जलमग्न हो गया है। गणखल गांव में फंसे ग्रामीणों को भारतीय सेना और एनडीआरएफ द्वारा सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि संगम में जलस्तर 25 फीट के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर गया है, जबकि पंपोर में नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे कई निचले इलाकों में बाढ़ की आशंका बढ़ गई है।

समिट के दूसरे दिन पहुंचे पीएम मोदी, कहा-

कागजी कार्रवाई घटने से चिप उत्पादन होगा

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित यशोभूमि (इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर) में चल रहे सेमीकॉन इंडिया 2025 के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को शिरकत की। इस दौरान उन्होंने सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विशेषज्ञों से बातचीत की और टेक्नोलॉजी से बने प्रोजेक्ट्स और उत्पादों को करीब से देखा। मंगलवार को पीएम मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा था कि दुनिया भारत पर भरोसा करती है और सेमीकंडक्टर के भविष्य को भारत के साथ मिलकर बनाना चाहती है। उन्होंने इस मौके पर चिप्स को 21वीं सदी का डिजिटल डायमंड बताया था। प्रधानमंत्री ने बताया कि वैश्विक सेमीकंडक्टर मार्केट पहले ही 600 अरब डॉलर का हो चुका है और आने वाले वर्षों में यह 1 ट्रिलियन डॉलर को पार कर जाएगा। उनका विश्वास है कि भारत जिस गति से इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, उसमें इस 1 ट्रिलियन डॉलर मार्केट का बड़ा हिस्सा भारत के पास होगा। पीएम ने याद दिलाया कि 2021 में सेमिकॉन इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी। 2023 तक भारत का पहला सेमीकंडक्टर प्लांट मंजूर हुआ, 2024 में कई और प्लांट्स को मंजूरी मिली और 2025 में 5 नए प्रोजेक्ट्स को भी हरी झंडी दी गई। वर्तमान में देश में 10 सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है, जिनमें 18 अरब डॉलर यानी 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारत पर बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण है।

पीएम मोदी की दिवंगत मां का अपमान, स्मृति ईरानी बोलीं- पूरा देश आक्रोश में, विपक्ष को जवाब मिलेगा

पटना, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बिहार में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां पर की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। स्मृति ईरानी ने कहा कि कथित टिप्पणी ष्पूरे देश को आहत करती हैष् क्योंकि पीएम मोदी की मां का राजनीति से कोई संबंध नहीं था और उन्होंने गरीबी में संघर्ष किया था। एक वीडियो संदेश में, भाजपा नेता ने कहा कि बिहार के एक राजनीतिक मंच पर विपक्षी नेताओं द्वारा पीएम मोदी की दिवंगत मां का अपमान पूरे देश को आहत करता है। उस मां का राजनीति से कोई संबंध नहीं था, जिस मां ने अपने परिवार की रक्षा के लिए गरीबी में संघर्ष किया, जो मां अब हमारे बीच नहीं हैं – ऐसी मां का अपमान हम सभी को पीड़ा देता है। ईरानी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि देश और बिहार की माताएँ और बहनें इस अपमान का विपक्ष को करारा जवाब देंगी। इससे पहले, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राजद विधायक तेजस्वी यादव की आलोचना की। सिन्हा ने एएनआई से कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माँ का अपमान कर रहे हैं। उनकी पार्टी में किसी को शर्म नहीं आती। किसी ने माफ़ी नहीं मांगी। भारतीय जनता पार्टी (आईएनडी) गठबंधन महिलाओं का अपमान करता है।

अमेरिका-यूरोप के दबाव के बीच भारत ने निकाला 'बीच का रास्ता', जयशंकर बोले- किसी भी प्रकार के दबाव को स्वीकार नहीं करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और यूरोप का दबाव बढ़ रहा है कि भारत रूस से दूरी बनाए और यूक्रेन संघर्ष पर पश्चिमी रुख का समर्थन करे। दूसरी ओर, रूस भारत का दशकों पुराना मित्र और ऊर्जा साझेदार है, जिससे भारत अपनी ऊर्जा ज़रूरतों का बड़ा हिस्सा पूरा करता है। ऐसे में भारत के सामने एक कठिन संतुलन साधने की चुनौती है। देखा जाये तो भारत की विदेश नीति की असली ताक़त यह है कि वह सीधे टकराव से बचते हुए अपने हितों की रक्षा करता है। यही कारण है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर बार–बार इस बात पर जोर देते हैं कि भारत किसी भी संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा और संवाद व कूटनीति ही समाधान का रास्ता है। प्रधानमंत्री मोदी भी राष्ट्रपति पुतिन से लेकर पश्चिमी नेताओं तक, सबको यही संदेश देते आए हैं कि "युद्ध का समय नहीं है।" देखा जाये तो भारत का यह संतुलन दोहरी कूटनीति नहीं बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता है। यही "बीच का रास्ता" भारत को न केवल अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम बनाता है बल्कि उसे एक संभावित वैश्विक मध्यस्थ के रूप में भी स्थापित करता है। आज की दुनिया में जहां महाशक्तियाँ अपने–अपने खेमों में बंटी हुई हैं, वहाँ भारत का यह संतुलित रुख ही उसकी सबसे बड़ी पूँजी है। आने वाले समय में यही नीति भारत को विश्व राजनीति में और मज़बूत स्थान दिलाएगी। इसी बीच, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक बार फिर दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी विदेश नीति में किसी भी प्रकार के दबाव को स्वीकार करने वाला देश नहीं है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी से की अपील

बाढ़-आपदा प्रभावित राज्यों को मिले तत्काल विशेष पैकेज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने जम्मू–कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। बाढ़, भूस्खलन और बारिश जारी रहने के कारण, इन राज्यों के कुछ हिस्सों में रेड अलर्ट भी जारी किया गया है। इस बीच, दिल्ली–एनसीआर के लिए चेतावनी कम कर दी गई है। आईएमडी द्वारा जारी चेतावनियों के अनुसार, दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर, कई राज्यों और शहरों ने छात्रों की सुरक्षा के लिए स्कूलों को बंद करने की घोषणा की है। नोएडा, गाजियाबाद, चंडीगढ़, शिमला और जम्मू–कश्मीर में बुधवार को स्कूल बंद रखने का निर्देश दिया गया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया कि बाढ़ प्रभावित पंजाब और प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे कुछ अन्य राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज जारी किए जाएं। राहुल ने एक वीडियो जारी कर पंजाब, जम्मू–कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड की स्थिति को लेकर चिंता जताई और कहा कि इनके लिए तत्काल राहत पैकेज की घोषणाकरने की ज़रूरत है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर वीडियो पोस्ट कर कहा, मोदी जी, पंजाब में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई है। जम्मू–कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भी स्थिति बेहद चिंताजनक है। ऐसे मुश्किल समय में आपका ध्यान और केंद्र सरकार की सक्रिय मदद अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हज़ारों परिवार अपने घर, जीवन और अपनों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं आग्रह करता हूं कि इन राज्यों के लिए, खासतौर पर किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज की तत्काल घोषणा की जाए और राहत एवं बचाव कार्यों को तेज़ किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि गौरतलब है कि मंगलवार शाम कश्मीर के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई, जबकि मौसम विभाग ने घाटी के कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई है। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर घाटी के कई इलाकों में मंगलवार शाम रुक–रुक कर बारिश हुई और ज़्यादातर हिस्सों में बारिश की तीव्रता हल्की से मध्यम रही, जबकि दक्षिण कश्मीर के कुछ इलाकों में भारी बारिश हुई।

मेरे खिलाफ साजिश, के कविता ने हरीश राव-संतोष राव पर पार्टी और परिवार को तोड़ने का लगाया आरोप

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने बुधवार को विधान परिषद सदस्य पद से अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष को सौंप दिया।

एक दिन पहले ही उनके पिता और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। कविता ने अपने चचेरे भाई टी. हरीश राव सहित वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ तीखी टिप्पणी की थी। अपने भाई और पूर्व मंत्री के. टी. रामा राव को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं राम अन्ना से केसीआर और पार्टी कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखने का आग्रह करती हूँ। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कविता ने केसीआर को अपनी प्रेरणा बताया और तेलंगाना में दलितों और पिछड़े वर्गों को न्याय दिलाने का श्रेय उन्हें दिया।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला :

पाकिस्तान समेत 3 देशों से आए हिंदू, सिख भारत में बगैर पासपोर्ट रह सकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्य – हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई – जो धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए 31 दिसंबर, 2024 तक भारत आए हैं, उन्हें पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों के बिना देश में रहने की अनुमति दी जाएगी। यह आदेश हाल ही में पारित आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 के संबंध में मंत्रालय द्वारा जारी किए गए कई आदेशों में से एक है, जो सोमवार से प्रभावी हो गया। यह इन तीन देशों के अल्पसंख्यकों के लिए राहत की बात है क्योंकि पिछले साल लागू हुआ नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) केवल उन लोगों पर लागू होता था जो 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत आए थे और नागरिकता प्राप्त करने के पात्र थे। निस्संदेह, आव्रजन और विदेशी अधिनियम से संबंधित नवीनतम आदेश दिसंबर 2024 तक आने वालों को बिना पासपोर्ट के रहने की अनुमति देता है और नागरिकता की गारंटी नहीं देता है। यह बड़ी संख्या में लोगों, खासकर पाकिस्तान से आए हिंदुओं के लिए राहत की बात होगी, जो 2014 के बाद भारत आए थे और अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे। अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित लोग – हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई – जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण या धार्मिक उत्पीड़न के डर से भारत में शरण लेने के लिए मजबूर हुए और 31 दिसंबर, 2024 को या उससे पहले वैध दस्तावेजों के बिना या समाप्त हो चुके दस्तावेजों के साथ देश में प्रवेश कर गए, वे इस आदेश के दायरे में आएंगे। नेपाल और भूटान के नागरिकों के साथ–साथ इन दोनों पड़ोसी देशों से ज़मीन या हवाई मार्ग से भारत में प्रवेश करने वाले भारतीयों को पहले की तरह पासपोर्ट या वीज़ा प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। गृह मंत्रालय (एमएचए) द्वारा आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 के लागू होने के बाद जारी एक आदेश के अनुसार, ड्यूटी पर भारत में प्रवेश करने या भारत से बाहर जाने वाले भारतीय नौसेना, सेना या वायु सेना के सदस्यों और ऐसे किसी भी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों को, सरकारी परिवहन में ऐसे व्यक्ति के साथ यात्रा करते समय, पासपोर्ट या वीज़ा ले जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

तेजस्वी का पीएम मोदी पर तीखा पलटवार: '50 करोड़ की गर्लफ्रेंड', सोनिया को अपशब्द- तब कहाँ थे?

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में संपन्न 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उनकी माँ के खिलाफ की गई कथित अभद्र टिप्पणियों की निंदा करने के बाद राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। प्रधानमंत्री की आलोचना का जवाब देते हुए, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि माँ का सर्वत्र सम्मान होता है। वहीं, इस मुद्दे ने तूल पकड़ लिया है और भाजपा ने गुरुवार को इस मुद्दे पर बिहार बंद का ऐलान किया है। पटना में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने कहा कि माँ तो माँ होती है, चाहे वह किसी की भी माँ हो। बेजुबानों की भी एक माँ होती है। किसी की माँ के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करना हमारे संस्कारों में नहीं है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने खुद रेवन्ना के लिए प्रचार किया था। उस समय 50 करोड़ रुपये की गर्लफ्रेंड वाली टिप्पणी की गई थी। उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया और नीतीश कुमार के डीएनए पर भी सवाल उठाए।

मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक..., अमित शाह का नक्सलियों को दो टूक

रायपुर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और कहा कि जब तक सभी नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर देते, पकड़े नहीं जाते या उनका सफाया नहीं कर देते, तब तक सरकार चैन से नहीं बैठेगी। गृह मंत्री ने यह टिप्पणी नई दिल्ली में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और कोबरा के जवानों से मुलाकात और उन्हें सम्मानित करते हुए की, जिन्होंने हाल ही में छत्तीसगढ़ के कर्रेगुट्टालु पहाड़ी पर 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया था। शाह ने कर्रेगुट्टालु पहाड़ी पर अब तक के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफल बनाने में वीरता दिखाने के लिए सभी सुरक्षाकर्मियों को बधाई दी। 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के दौरान जवानों की बहादुरी और पराक्रम को नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद किए जाने का उल्लेख करते हुए, शाह ने कहा, मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक सभी नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर देते, पकड़े नहीं जाते या उनका सफाया नहीं कर देते। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति में राष्ट्रीय राजधानी में जवानों के साथ बैठक के दौरान शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम भारत को नक्सल मुक्त बनाएंगे। मंत्री ने कहा कि गर्मी, ऊंचाई और हर कदम पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के खतरे के बावजूद, सुरक्षा बलों ने पूरे जोश के साथ अभियान को सफल बनाया और नक्सलियों के बेस कैंप को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि कर्रेगुट्टालु पहाड़ी पर बने नक्सलियों के सामग्री भंडार और आपूर्ति श्रृंखला को छत्तीसगढ़ पुलिस, सीआरपीएफ, डीआरजी और कोबरा के जवानों ने बहादुरी से नष्ट कर दिया। शाह ने कहा कि नक्सलियों ने देश के सबसे कम विकसित क्षेत्रों को भारी नुकसान पहुँचाया है, स्कूलों, अस्पतालों को बंद कर दिया है और सरकारी योजनाओं को लोगों तक नहीं पहुँचने दिया है।

उन्होंने कहा कि नक्सल विरोधी अभियानों के कारण पशुपतिनाथ से तिरुपति तक के क्षेत्र में 6.5 करोड़ लोगों के जीवन में एक नया सूर्योदय हुआ है।

इलाहाबाद विवि के कुलपति के लिए मांगे आवेदन

प्रयागराज। इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से इविवि के कुलपति पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। अकादमिक के साथ–साथ प्रशासनिक प्रमुख होने के कारण कुलपति से सर्वोच्च स्तर की

सक्षमता, सत्यनिष्ठा, नैतिकता और संस्था के प्रति प्रतिबद्धता अपेक्षित है। इस पद के लिए ऐसे प्रतिष्ठित शिक्षाविद आवेदन कर सकते हैं जो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में न्यूनतम 10 वर्ष या प्रतिष्ठित अनुसंधान और/या शैक्षणिक प्रशासनिक संगठन में शैक्षणिक नेतृत्व का प्रदर्शन करने के प्रमाण के साथ 10 वर्ष का अनुभव रखते हों। इच्छुक अभ्यर्थी शिक्षा मंत्रालय के समर्थ पोर्टल के माध्यम से दो अक्टूबर की शाम पांच बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी की आयु आवेदन की समापन तिथि पर 65 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। कुलपति की नियुक्ति विश्वविद्यालय के अधिनियम के प्रावधानों के तहत गठित एक समिति की ओर से सिफारिश नामों के एक पैनल में से की जाएगी। कुलपति को सामान्य भत्तों और 11250 रुपए के विशेष भत्तों के साथ 2.10 लाख प्रतिमाह का वेतन मिलेगा।

पीएसी मेरठ बनी कबड्डी प्रतियोगिता की चैंपियन

प्रयागराज। पांच दिवसीय द्वितीय यूपी पुलिस कबड्डी कलस्टर वार्षिक प्रतियोगिता का फाइनल मंगलवार को पुलिस लाइन मैदान में हुआ। कबड्डी पुरूष वर्ग में मेरठ जोन ने पीएसी पश्चिमी

जोन को 37–19 अंक से पराजित कर चलबैजंती ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। महिला वर्ग में मेरठ जोन विजेता और प्रयागराज जोन की टीम ने उपविजेता रही। प्रतियोगिता में 11 जोन की 350 महिला व पुरुष प्रतिभागियों ने अभी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी दी। इस दौरान अपर पुलिस आयुक्त एन कोलांची, डीसीपी नगर अभिषेक भारती, डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत, डीसीपी यमुनानगर विवेकचंद्र यादव, डीसीपी यातायात नीरज पांडेय आदि मौजूद रहे।

पोषण पुनर्वास केंद्र में खोजे नहीं मिल रहे कुपोषित बच्चे

प्रयागराज। कुपोषित बच्चों को पोषित करने के लिए कॉल्विन में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त पोषण पुनर्वास केंद्र स्थापित किया गया है। इसकी स्थापना 2022 में हुई थी लेकिन इसका समुचित संचालन नई बिल्डिंग बनने के बाद अप्रैल, 2024 से शुरू हुआ। 10 बेड के पोषण पुनर्वास केंद्र में कमजोर व बीमार बच्चों के इलाज के साथ उनके खेलकूद और आहार की निरूशुल्क

व्यवस्था है। वहीं बच्चों के साथ जो माएं रहती हैं उन्हें स्वास्थ्य विभाग की ओर से 200 रुपये प्रतिदिन दिया जाता है। यूनिसेफ के मानक के अनुसार केंद्र में एक माह से पांच साल तक के केवल उन्हीं बच्चों को रखा जा सकता है जो कमजोर होने के साथ बीमार भी हों। लेकिन तमाम सुविधाएं होने के बावजूद पुनर्वास केंद्र में अधिकांश बेड खाली रहते हैं। केंद्र में अप्रैल–2024 से लेकर अगस्त–2025 तक 75 बच्चों को भर्ती किया गया। यानी हर माह केवल 4–5 बच्चे की केंद्र में भर्ती हुए। केंद्र में कुपोषित बच्चों को 14 से 21 दिन रखकर इलाज किया जाता है।

आरपीएफ महानिदेशक सोनाली मिश्रा ने प्रयागराज जंक्शन का किया निरीक्षण

प्रयागराज। आरपीएफ की महानिदेशक सोनाली मिश्रा बुधवार सुबह प्रयागराज जंक्शन पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने रेलवे स्टेशन और कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने आधुनिक सीसीटीवी कैमरों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस निगरानी प्रणाली का बारीकी से जायजा लिया। महानिदेशक ने 2025 के महाकुंभ के दौरान ड्यूटी करने वाले आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों के कार्य की जानकारी ली और आपसी तालमेल बनाकर काम करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में तकनीक का इस्तेमाल यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत करेगा। बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए सोनाली मिश्रा ने ट्रेनों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी तंत्र को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

नए अस्पताल का छह साल से इंतजार, अव्यवस्था झेल रहे मरीज-तीमारदार

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से संबद्ध सरोजिनी नायडू बाल चिकित्सालय (चिल्ड्रेन हॉस्पिटल) में प्रयागराज व उसके आसपास के लगभग 12 जिलों से बच्चे इलाज के लिए आते हैं। लेकिन अस्पताल में कई बुनियादी सुविधाओं की कमी व लचर व्यवस्था के कारण इलाज में परेशानी होती है। वहीं एसआरएन अस्पताल में बन रहे बच्चों के नए अस्पताल के इंतजार में चिल्ड्रेन हॉस्पिटल की व्यवस्था बेपटरी होती जा रही है। चिल्ड्रेन अस्पताल में तीन दिसंबर 1981 को प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 50 बेड का उद्घाटन किया था। 44 साल के अंतराल में मरीजों की संख्या कई गुना बढ़ी, लेकिन बेड का विस्तार नहीं हुआ।

आईसीयू छोड़कर शेष वार्डों में अक्सर एक ही बेड पर दो–तीन मरीजों का इलाज किया जाता है। अस्पताल में परेशानियों को लेकर तीमारदारों से बातचीत की गई। उन्होंने कहा कि अव्यवस्थाएं तो बहुत हैं, लेकिन बस यही प्रयास रहता है कि किसी तरह बच्चे का इलाज हो जाए। स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं पर जिम्मेदारों को गंभीर होना चाहिए। इलाज के लिए कम से कम समुचित सुविधाएं तो उपलब्ध करानी चाहिए। चिल्ड्रेन हॉस्पिटल परिसर की पैथोलॉजी में सभी जांच की सुविधा नहीं है। बीमार बच्चों के परिजन चिल्ड्रेन हॉस्पिटल से एसआरएन अस्पताल और एसआरएन से मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज तक का लगभग 15–16 किमी का चक्कर लगाते रहते हैं। इस बीच यदि बच्चे की तबीयत ज्यादा बिगड़ गयी तो परेशानी बढ़ जाती है। वहीं एसआरएन अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले बच्चों को चिल्ड्रेन हॉस्पिटल रेफर किया जाता है। क्योंकि अस्पताल में अभी शिशुओं के उपचार की पुख्ता व्यवस्था नहीं है। बच्चों के बेहतर इलाज के लिए 11 अगस्त, 2019 में एसआरएन अस्पताल परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त 300 बेड के अस्पताल की नींव रखी गयी थी। लक्ष्य था कि 2021 तक अस्पताल बनकर तैयार हो जाएगा लेकिन छह साल गुजर गए अभी अस्पताल में 40 फीसदी से अधिक कार्य बाकी है। छह साल के इस लंबे अंतराल में छह मंजिल के अस्पताल का निर्माण कार्य पूरा न होने के पीछे कारण चाहे जो रहा हो लेकिन उसका खामियाजा अब तक हजारों बच्चे उठा चुके हैं। इस बार महाकुम्भ में चिल्ड्रेन हॉस्पिटल के शुरू होने की उम्मीद थी लेकिन कार्य पूरा नहीं हो सका। कार्यदायी संस्था से प्रतिनिधियों के मुताबिक अस्पताल के संचालित होने में अभी लगभग छह से सात माह का समय और लग सकता है। जिम्मेदारों का कहना है कोरोना काल के कारण कार्य में व्यवधान आया इसलिए अस्पताल के निर्माण का कार्य बीच–बीच में बंद रहा। यहां तक कि इस माह 16 अगस्त से आज तक कार्य बंद है। अस्पताल की बिल्डिंग में इस समय ऑक्सीजन की पाइप लाइन और अत्याधुनिक फायर हाइड्रेंट के उपकरण लगाए जा रहे हैं। वहीं अस्पताल के संचालित होने से एक ही परिसर में बच्चों की सभी बीमारियों का इलाज होने लगेगा। अत्याधुनिक अस्पताल में होंगी कई सुविधाएं अत्याधुनिक चिल्ड्रेन अस्पताल में आधुनिक ऑपरेशन थियेटर के साथ ही नेचुरल ऑक्सीजन की सुविधा रहेगी। अस्पताल में 24 घंटे ओपीडी, अत्याधुनिक पैथोलॉजी, माड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, ऑटोमेटिक वेंटिलेटर, एनआईसीयू की सुविधा, मॉड्यूलर किचन व लॉन्ड्री, मॉडर्न कैंटीन और सेंट्रलाइज एसी की व्यवस्था रहेगी।

मेडिकल कॉलेज से चिल्ड्रेन हॉस्पिटल की दूरी काफी होने की वजह से अस्पताल प्रशासन भी कई बार मनमानी करता है, जिसके चलते परिजनों समस्याओं का सामना करना पड़ता है। चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में कई जिलों से आते हैं मरीज चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में प्रयागराज के अलावा प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर, जौनपुर, भदोही, मिर्जापुर, चित्रकूट, बांदा, रीवा, सतना के मरीज भी आते हैं। इस कारण कभी–कभी एक ही बेड पर दो–तीन बच्चों को भर्ती करना पड़ता है। अस्पताल में खुल्दाबाद स्थित राजकीय शिशु गृह और लावारिस बच्चों को इलाज किया जाता है। लेकिन अस्पताल में लगे 150 से अधिक पंखों में 70 फीसदी के कंडेशनर खराब हैं। इसके कारण पंखे हवा नहीं देते। वार्ड में रखे कूलर अधिकांश खराब हैं। वार्डों में कुत्ते विचरण करते रहते हैं। तीमारदारों के लिए कैंटीन की कोई व्यवस्था नहीं है। हालांकि 10 बेड के पुनर्वास पोक्षण केंद्र में भर्ती बच्चों और उनकी मां के लिए भोजन का इंतजाम किया जाता है। अस्पताल के कपड़ों को कर्मचारी बाइक पर लादकर एसआरएन अस्पताल की लॉन्ड्री में ले जाते हैं। इससे बेड पर निर्धारित समय में चादर नहीं बदली जाती। अस्पताल में अग्नि सुरक्षा उपकरणों की देखरेख नहीं अस्पताल में देखरेख के अभाव में अग्नि सुरक्षा उपकरण खराब हो गए हैं। फायर हौज बॉक्स में जहां पाइप रखा जाना चाहिए वहां ऑक्सीजन सिलिंडेर रखे हैं। वार्ड नंबर सात और भूतल पर अग्नि दुर्घटना के वक्त बाहर जाने वाले दरवाजे पर ताला लगा है। एसएनसीयू वार्ड में भर्ती गंभीर बच्चों के परिजनों को रहने की व्यवस्था न होने से गैलरी में लोग रहने के लिए मजबूर हैं। पहली मंजिल के शौचालय की सीट टूटी होने के कारण दूषित पानी भूतल पर टपकता रहता है। वार्ड के पास लगे कूलरों पर लोग गीले कपड़े सुखाते हैं, जिससे दुर्घटना होने की संभावना रहती है। हमारी भी सुनें पर्चा जमा किए हुए डेढ़ घंटा हो गया, अभी तक नाम नहीं पुकारा गया है। बच्चे को बुखार अधिक है, यदि ज्यादा देर होगा तो अगले दिन आना होगा। –आइसा ओपीडी में भीड़ बहुत है। पंखा भी सही नहीं चल रहा है। उमस से बहुत परेशानी हो रही है। बच्चे की तबीयत ज्यादा खराब है। अब दूसरे अस्पताल में ले जाना पड़ेगा। – मोहम्मद आमिर 30 किमी की दूरी तय करके आई हूं। ओपीडी में पर्चा जमा किए एक घंटा हो गया, लेकिन अभी नंबर नहीं आया है। दवा लेने के बाद जांच के लिए एसआरएन अस्पताल जाना पड़ेगा। –पूनम अस्पताल में दवाएं बाहर से लेने के लिए कहा जाता है। यदि आठ दवाएं लेनी हैं तो उसमें से चार–पांच ही मिल पाती हैं। महंगी दवाएं बाहर से लेने पड़ती हैं। –मुकेश दो घंटे हो गए, अभी ओपीडी में नंबर नहीं आया है। बच्चे को खांसी अधिक आ रही है। बुखार भी है। बाकी दिन की अपेक्षा आज मरीजों की भीड़ भी अधिक है। –उमेश बच्चे के कान में दर्द हो रहा है। तीन बार से अस्पताल आ रहा हूं। अभी आराम नहीं हुआ। जांच कराने के लिए मेडिकल कॉलेज गया, लेकिन रिपोर्ट दो दिन बाद मिलेगी। –समर अस्पताल में बच्चों को भर्ती करने में दिक्कत हो रही है। कई वार्ड में एक बेड पर दो बच्चे लिटाए जाते हैं। वार्ड में गर्मी अधिक रहती है कूलर की संख्या कम है। –सुनीता बच्चे के शरीर में बार–बार सूजन आ जाती है। दवा देती हूं तो ठीक हो जाता है। लेकिन फिर पहले जैसे ही स्थिति हो जाती है। अभी सही से जांच नहीं हो पाई है। –अनीता अस्पताल परिसर में गंदगी अधिक रहती है। कुत्तों का जमावड़ा रहता है। वार्ड के अंदर तक कुत्ते घूमते रहते हैं। कुत्ते बच्चे को कब काट ले, खतरा बना रहता है। –कुलदीप बच्चे को भर्ती कराने के लिए लाया था, लेकिन बताया गया कि अभी बेड खाली नहीं है। अब दूसरे दिन आना पड़ेगा। यहां जांच के लिए भी चक्कर लागना पड़ता है। –मनीष अस्पताल में दवाएं मिल जाती हैं लेकिन कुछ दवाएं बाहर से लेनी पड़ती हैं। ओपीडी के कमरे कम हैं, इसलिए डॉक्टर को दिखाने में ज्यादा समय लगता है। –अन्नू देवी मैं प्रतापगढ़ से बच्चे का इलाज कराने आया हूं। ओपीडी में पर्चा दिए हुए एक घंटा हो गया, लेकिन सुनवाई नहीं है। बरामदे में पंखे धीरे चल रहे हैं। उमस भी बहुत है। –संदीप अस्पताल में कैंटीन की सुविधा न होने से तीमारदारों को परेशानी होती है। मरीज के यदि एक ही व्यक्ति है तो वह बच्चे को छोड़कर बाहर भी नहीं जा सकता। –चंद्रकांत अस्पताल में दवाएं पूरी नहीं मिल पातीं। दोपहर दो बजे के बाद जांच कराने के लिए एसआरएन अस्पताल और मेडिकल कॉलेज जाना पड़ता है। बहुत परेशानी होती है। –प्रीति बच्चे के सिर में गांठ है उसी का इलाज करा रही हूं। कुछ जांच बाहर से कराना है। दवाएं मिल गयी हैं लेकिन जांच के लिए कई बार एसआरएन अस्पताल जाना पड़ा। –भावना दूबे

अब डीएनए टेस्ट से होगी पूर्व जिपं सदस्य की शिनाख्त

प्रयागराज। पूर्व जिला पंचायत सदस्य रणधीर यादव की हत्या का खुलासा के बाद अब पुलिस डीएनए टेस्ट कराने की तैयारी में जुटी है। ताकि रेलवे लाइन पर मिले लावारिस क्षत विक्षत शव के दाह संस्कार के बाद उसकी असली पहचान हो सके। हत्यारोपियों के बयान के आधार पर लावारिस शव को पूर्व जिपं सदस्य का माना गया था। हालांकि इसकी पुष्टि के लिए अब मृतक के पिता व बेटे के डीएनए का शव के डीएनए सैंपल से मिलान किया जाएगा। ताकि लावारिस शव के दावे की सत्यता की जांच पूरी की जा सके। नवाबगंज क्षेत्र के हथिगहा मोहम्मदपुर निवासी 40 वर्षीय पूर्व जिपं सदस्य रणधीर यादव 22 अगस्त को लापता हो गए थे। लापता होने के छह दिन बाद पुलिस ने रणधीर यादव की हत्या का खुलासा किया था। पुलिस के अनुसार, रणधीर यादव की उसके दोस्त उदय यादव ने उसकी पत्नी से संबंध होने की वजह से अपने रिश्तेदारों व अन्य लोगों के साथ

मिलकर हत्या की थी। हत्यारोपी राम सिंह यादव व उदय की सास लीला यादव के गिरफ्तार होने के बाद पता चला था कि आरोपियों ने 22 अगस्त की रात ही रणधीर यादव की हत्या करने के बाद शव को बमरौली स्टेशन के आउटर के पास रेल पटरी पर पत्थर से चेहरा कूंचने के बाद फेंक दिया था। ट्रेन की चपेट में आने से शव क्षत विक्षत हो गया था। पूरामुफ्ती पुलिस ने 72 घंटे बाद शव को लावारिस मानकर दाह संस्कार कर दिया था। हत्या का खुलासा होने के बाद मृतक रणधीर यादव के पिता राम अभिलाष यादव ने कपड़े के आधार पर शिनाख्त की थी। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत का कहना है कि लावारिस शव के डीएनए सैंपल का मृतक रणधीर यादव के परिजनों के डीएनए से जांच कराया जाएगा। ताकि शव की सही पहचान हो सके। पुलिस फरार अन्य हत्यारोपियों की भी तलाश में जुटी है। अब तक आठ आरोपी गए जेल रणधीर यादव की हत्या के मामले में पुलिस अब तक दो महिला समेत आठ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इसमें हत्यारोपी राम सिंह यादव व साजिश रचने में शामिल लीला यादव के अलावा हत्यारोपियों को संरक्षण देने के आरोप में फरार उदय यादव के साले अन्नू व मन्नू और जीजा सत्येंद्र, चालक मिथुन साहू, राम सिंह यादव की पत्नी पुष्पा और विजय पासी गिरफ्तार कर जेल जा चुके हैं। वहीं मुख्य हत्यारोपी उदय यादव, उसके भाई विजय यादव व नौकर सुजीत श्रीवास्तव की तलाश जारी है।

धांधली से चयनित एपीएस के कार्य करने पर रोक की मांग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की अपर निजी सचिव (सचिवालय) भर्ती 2010 की सीबीआई जांच में धांधली का खुलासा होने के बाद प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति ने धांधली से चयनित और सचिवालय में कार्यरत अपर निजी सचिवों तथा इनको संरक्षण देने वाले अधिकारियों के विरूद्ध मोर्चा खोल दिया है। संघर्ष समिति ने सीबीआई, भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर भर्ती में धांधली से चयनित होने वाले अपर निजी सचिवों के विवरण का उल्लेख करते हुए इनके विरूद्ध कार्यवाही की मांग की है। प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के मीडिया प्रभारी प्रशांत पांडेय ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि वर्ष 2018 में चयनित अपर निजी सचिवों को इस शर्त के साथ शपथ पत्र लेकर सचिवालय में कार्यभार ग्रहण कराया गया था कि उनके चयन में किसी प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर उनकी नियुक्तियां स्वतः निरस्त हो जाएगी और इनको दिए गए वेतन की वसूली की जाएगी। इसके बाद सीबीआई की ओर से वर्ष 2021 में आयोग को लिखे पत्र और दर्ज कराई गई एफआईआर में भर्ती में बरती हुई धांधली का खुलासा किया जा चुका है। धांधली का खुलासा होने के बाद सचिवालय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को दागी एपीएस के विरूद्ध कार्यवाही करनी चाहिए थी, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने ऐसा करने की बजाय 2023 में ज्वाईन करने से अवशेष रह गए 26 में से अधिकांश अभ्यर्थियों को ज्वाईन करा दिया। अपर निजी सचिवों के पुराने विभागों की सेवाएं जोड़कर वेतन संरक्षण का लाभ देते हुए लाखों रूपये के एरियर का भुगतान भी कर दिया। 221 चयनित अपर निजी सचिवों का स्थायीकरण कर दिया तथा 2025 में 234 अपर निजी सचिवों की वरिष्ठता सूची तक जारी कर दी गई। इतना ही नहीं अधिकारियों ने अपर निजी सचिवों की निजी सचिवों के पदों पर पदोन्नति की पत्रावली भी आगे बढ़ा दी। सचिवालय प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने संबंधित पत्रावलियों पर सीबीआई की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट एवं एफआईआर में दर्ज तथ्यों को छिपाकर आदेश पारित किए हैं। समिति के अध्यक्ष अवनीश पांडेय का कहना है कि धांधली से चयनित अपर निजी सचिवों की बर्खास्तगी की कार्यवाही की जाए तथा इनके अनियमित चयन के कारण जो अभ्यर्थी चयन से वंचित हुए थे उनको उनका हक दिलाया जाए।

अधिवक्ता से मारपीट व फायरिंग, मांगी दस लाख रंगदारी

प्रयागराज। सिविल लाइंस के यांत्रिक चौराहे के समीप एक अधिवक्ता और उसके साथियों संग मारपीट, लूटपाट, फायरिंग व दस लाख रुपये रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर हिस्ट्रीशीटर समेत पांच आरोपियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। कालिंदीपुरम निवासी अधिवक्ता अरविंद प्रताप सिंह की तहरीर के अनुसार, खुल्दाबाद थाने की हिस्ट्रीशीटर विपिन गुप्ता उर्फ अल्लू ने सोमवार को अपने परिचित के माध्यम से अधिवक्ता परवेज खान को एक मामले के समझौते के लिए यांत्रिक चौराहे के पास बुलाया था। अधिवक्ता परवेज खान के साथ अरविंद प्रताप सिंह और जेपी पांडेय भी पहुंचे। आरोप है कि खुल्दाबाद निवासी विपिन गुप्ता अल्लू अपने चार साथी अंकित केसरवानी, उज्जवल केसरवानी, मयंक और राहुल यादव के साथ मिलकर मारपीट शुरू कर दी। जेब से जबरन 2200 रुपये छीन कर उसके विपक्ष में वकालत करने पर जान से मारने व दस लाख रुपये रंगदारी देने की धमकी दी। जबकि विरोध करने पर कई राउंड फायरिंग तक की गई।

अब आन-बान-शान से आती है बेटियां

प्रयागराज। यमुनापार विशाल सांस्कृतिक गणपति महोत्सव की ओर से मानस पार्क नैनी में हास्य कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष व आयुर्वेदाचार्य डॉ. जीएस तोमर और राष्ट्रीय

विज्ञान अकादमी के निदेशक संतोष शुक्ल ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। इस मौके पर लखनऊ के ओज कवि डॉ अतुल वाजपेई ने कविता राम हमारे नायक हैं...प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। कवयित्री प्रीता बाजपेयी ने कविता अब आन–बान–शान से आती है बेटियां, खुद अपना भाग्य साथ में लाती है बेटियां..प्रस्तुत कर तालियां बटोरीं। संचालन कर रहे कवि राजकुमार अंजाना, जितेंद्र जलज, शैलेंद्र मधुर, विक्टर सुल्तानपुरी, धनंजय शाश्वत, संतोष शुक्ल समर्थ, निखिलेश मालवीय, आरके शुक्ला, बालकृष्ण मिश्र ने गीत, गजल व हास्य से श्रोताओं का खूब गुदगुदाया।

फिल्म 'अधूरे हम-अधूरे तुम में नजर आएंगे प्रयागराज के सत्यम

प्रयागराज। ध्रुव शंकर तिवारी इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक और रंगमंच की दुनिया में चार वर्षों से सक्रिय 27 वर्षीय सत्यम सिंह राजपूत फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम में नजर आएंगे। दानिश असलम के निर्देशन में बनी इस फिल्म में वह आमिर खान के भांजे इमरान खान, अभिनेत्री भूमि पेडनेकर के साथ अहम किरदार में दिखेंगे। फिल्म नवंबर के अंतिम सप्ताह में रिलीज होने जा रही है। सत्यम का घर सिविल लाइंस में सृजन अस्पताल के पीछे है। इन्हें चार वर्षों तक रंगमंच की बारीकियां सिखाने का श्रेय द थर्ड बेल समूह के सचिव आलोक नायर को जाता है। जिनके निर्देशन में सत्यम श्री बाघंबरी क्षेत्र रामलीला कमेटी की रामलीला में पिछले वर्ष रावण का किरदार निभाया था। जिसके लिए वे दस दिनों से मुंबई से यहां आए थे। यह फिल्म क्रिकेट की दुनिया के साथ रोमांटिक कॉमेडी पर आधारित है। जिसमें वे बांग्लादेशी क्रिकेट टीम के कप्तान की भूमिका में दिखाई देंगे। 'हिन्दुस्तान से बातचीत में सत्यम ने बताया कि वह डेढ़ वर्ष पहले मुंबई गए थे। किस्मत ने साथ दिया, इसलिए अमेजॉन प्राइम पर रिलीज हो चुकी वेब सीरीज 'फिसड्डी में आईएएस अधिकारी का किरदार निभाने का मौका मिला। इस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। जल्द ही इसका ट्रेलर भी लांच होने जा रहा है।

जलस्तर कम होने की रफ्तार हुई धीमी

प्रयागराज। गंगा यमुना में आई बाढ़ के कारण अभी भी तटीय इलाकों में जलजमाव है। जलस्तर कम होने से लोगों को राहत हो रही है, लेकिन बुधवार को इसके कम होने की रफ्तार कुछ धीमी हो गई। सुबह आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 81.56 मीटर रिकार्ड किया गया, जो कि बीते 24 घंटे में 16 सेंटीमीटर कम हुआ। वहीं छतनाग में गंगा का जलस्तर 80.49 मीटर रिकार्ड किया गया, यहां पर 24 घंटे की तुलना में 23 सेंटीमीटर की कमी आई। नैनी में यमुना का जलस्तर 80.99 मीटर दर्ज हुआ, जो बीते 24 घंटों में 29 सेंटीमीटर कम हुआ।

पठन बोध एवं विश्लेषण परीक्षण का हुआ आयोजन

प्रयागराज। द्वितीय 'पठन, बोध एवं विश्लेषण परीक्षण' का आयोजन दिनांक 3 सितम्बर, 2025 को बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम, विधि संकाय, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज की 'वाद–विवाद एवं साहित्य समिति' द्वारा किया गया। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा 25 नवम्बर,

1949 को संविधान सभा में दिए गए भाषण का एक अंश उपलब्ध कराया गया, जो उनके संवैधानिकता (Constitutionalism) और अराजकता का व्याकरण (Grammar of Anarchy) संबंधी विचारों पर आधारित था। इसका आयोजन प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे के निर्देशन में तथा संयोजक श्रीमती रेनू सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें सभी सेमेस्टरों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया तथा समिति भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रही है। इस अवसर पर संकाय सदस्यों में डॉ. बबीता श्रीवास्तव, डॉ. प्रमोद कुमार, श्री संदीप अग्रहरी तथा श्रीमती अनुश्री पांडेय उपस्थित रहे!

स्लिप डिस्क से पीड़ित हिमांशु ने बना डाली शानदार बाँडी

अभिभावकों ने व्यक्त किया अल्फा वारियर्स जिम आँनर तुषार शर्मा का आभार

मुजफ्फरनगर। पांच वर्षों तक स्लिप डिक्स कमर दर्द से परेशान मुज़फ्फ़रनगर आर्यपुरी निवासी हिमांशु मित्तल को डाक्टरों ने कूदना, भागना, तथा वज़न उठाने के लिए बिल्कुल मना कर

दिया था यहां तक कि हिमांशु को लम्बे समय तक बेडरेस्ट की सलाह दी थी जिससे सॉफ्टवेयर इंजीनियर हिमांशु अपनी नौकरी भी नहीं कर पा रहा था तथा पेन किलर दवाईयां लेकर जीवन को बोझ समझकर व्यतित कर रहा था फिर उसके एक शुभचिंतक ने अल्फा वारियर्स जिम आँनर तुषार शर्मा से मिलने की सलाह दी तुषार शर्मा से मुलाकात कर हिमांशु अत्यंत प्रभावित हुआ और बिना देरी किए उसने जिम ज्वॉइन कर लिया तथा जिम आँनर फिटनेस एक्सपर्ट तुषार शर्मा के कुशल नेतृत्व में डेढ़ वर्ष में एडवांस तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर पेन किलर दवाईयों को अलविदा कहने के साथ ही शादीशुदा हिमांशु मित्तल ने बिमारी के दौरान बेडरेस्ट से बढा वज़न ही कम नहीं किया बल्कि सुन्दर,शानदार,सौष्ठव शरीर बना कर आजकल के युवाओं को चुनौती दे डाली तथा सभी रिश्तेदारों एवं दोस्तों को आश्चर्य चकित कर दिया अवगत हो कि अल्फा वारियर्स जिम इंस्ट्रक्टर तुषार शर्मा विश्व ख्याति प्राप्त कराटे किंग वेदप्रकाश शर्मा के सुपुत्र हैं और अपने पिता की तरह ही प्रत्येक समस्या को चुनौती देकर समाज सेवा की भावना से अपने प्रोफेशन को करते हुए अपनी एक अलग पहचान बना रहे हैं।

लोकपाल के निरीक्षण में मानधाता ब्लाक के पूरे लाल के खेत तालाब मिले निष्प्रयोज्य व सूखे

बरहुआ भोजपुर के उदेश्यपूर्ण खेत तालाब की लोकपाल समाज शेखर ने की सराहना

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने मांधाता ब्लाक के पूरे लाल ग्राम पंचायत से प्राप्त शिकायतों के क्रम में खेत तालाबों का स्थलीय भ्रमण कर निरीक्षण किया। खेत तालाब मापी व मानक के बिपरीत व सूखे व निष्प्रयोज्य मिले। वहीं बगल बरहूवा भोजपुर के खेत तालाब को देखकर लोकपाल ने सराहना करते हुए उदेश्यपूर्ण बताया। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर शिकायतकर्ता रवि सिंह के साथ ग्राम पंचायत के खेत

तालाबों का निरीक्षण करने पूरे लाल पहुँचे। तालाब लाभार्थी कल्लू ने लोकपाल को अपना तालाब दिखाया। बताया की पहले कृषि विभाग से खेत तालाब खुदा था। पिछले साल मनरेगा से कुछ कार्य हुआ। दूसरे खेत तालाब के लाभार्थी मौके पर उपस्थित नही हुए। दिखाया गया दूसरा तालाब भी मानक के बिपरीत मिला जिसमे इनलेट व आउटलेट भी नही मिले। शिकायत कर्ता ने बताया की यह दोनों तालाब पूर्व में कृषि रक्षा इकाई द्वारा बने थे। इसी दोनों भूखंड में प्रधान व सचिव ने मिली भगत करके मनरेगा से भी खेत तालाब खुदा दिखा दिया गया। कुछ थोड़ा बहुत इधर उधर कार्य खानापूर्ति हेतु करा दिया गया। कार्यस्थल पर सीआईबी बोर्ड भी नही मिला। लोकपाल ने गाँव की सीमा पर स्थित ग्राम पंचायत बरहुवा भोजपुर में सुलोचना चंद्र पाल के खेत तालाब का निरीक्षण किया। तालाब की दशा देखकर लोकपाल ने सराहना की। लाभार्थी की अनुपस्थिति में उनके बच्चो ने तालाब की गतिविधियों से अवगत कराया। बताया की मछली पालन से हमारे परिवार की दशा में निरंतर सुधार हो रहा है।बच्चो ने यह भी बताया की पी एम आवास मिला है शौचालय आदि व्यवस्था के लिए प्रयास जारी है। लोकपाल ने तालाब को स्वच्छ रखने हेतु सुझाव दिये।

वैष्णो देवी हादसा: सात दिन बाद पत्नी–बेटी के साथ घर लौटा घायल अजय

दक्षिणी रामपुरी से गए थे 23 तीर्थ यात्री, भूस्खलन में हुई छह लोगों की मौत

मुजफ्फरनगर। वैष्णो देवी की पावन यात्रा पर गए श्रद्धालुओं का घर लौटना पीड़ित परिवारों के लिए खुशी की किरण नहीं, बल्कि दर्द और मातम लेकर आया। जम्मू–कश्मीर के कटरा में 26 अगस्त को हुए भूस्खलन हादसे ने दक्षिणी रामपुरी के कई घरों के चिराग बुझा दिए। बुधवार को अलसुबह जब चार घायल यात्री अपने परिजनों के साथ घर लौटे, तो पूरा मोहल्ला रोने–बिलखने की आवाजों से गूंज उठा। इनमें अपने दो मासूम बेटों को गंवा देने वाला घायल अजय भी शामिल रहा तो वहीं इस दल के नायक के रूप में यात्रा पर गये धर्मवीर प्रजापति और उनकी घायल पुत्रवधु भी हैं। घायल तीर्थ यात्री डोली पत्नी अमित अपने ससुर और दल नायक धर्मवीर के साथ अपने घर पर आने के बाद

बता दें कि 25 अगस्त को मुजफ्फरनगर शहर के मोहल्ला दक्षिणी रामपुरी से धर्मवीर प्रजापति के नेतृत्व में प्रजापति समाज के चार परिवारों के 23 लोग जम्मू तवी एक्सप्रेस से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए निकले थे। इनमें 12 बच्चे और किशोर भी शामिल रहे। 26 अगस्त को कटरा में बाणगंगा और अर्धकुमारी के बीच अचानक हुए भूस्खलन हादसे ने इस यात्रा को मातम में बदल दिया। इस हादसे में दक्षिणी रामपुरी के छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो मासूम सगे भाई 10 वर्षीय अनंत और 8 वर्षीय दीपेश पुत्रगण अजय कुमार प्रजापति, मां–बेटियां रामबीरी 49 पत्नी इंद्रपाल व अंजलि 22 वर्ष पुत्री इंद्रपाल, मन्तेश उर्फ ममता 43 पत्नी रविंद्र सिंह और उसकी बेटी 16 वर्षीय आकांक्षा शामिल थीं। शनिवार 30 अगस्त को इन सभी छह मृतकों के शव रामपुरी पहुंचे थे, सभी का एक साथ नदी रोड श्मशान पर गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

एक सितम्बर को रामपुरी में इन मृतकों की शोकसभा में भारी बारिश के बावजूद भी जनसैलाब उमड़ा। सपा, भाजपा, बसपा सहित अन्य दलों और सामाजिक संगठनों के नेताओं ने पहुंचकर परिवारों की मदद की और भरोसा दिलाया।

बुधवार सुबह गंभीर रूप से घायल अजय प्रजापति, धर्मवीर प्रजापति, अजय की 6 वर्षीय पुत्री पूर्वी सहित अन्य श्रद्धालु घर लौटे, तो उन्हें देखकर पूरे इलाके में कोहराम मच गया। अपने दोनों मासूम बेटों को खो चुकी अजय की पत्नी मोनिका दोनों बच्चों की तस्वीरें सीने से लगाकर बदहवास होकर रोती रही। अजय को गले लगाकार पिता देशराज भी खूब रोये। अजय भी बेटों के जाने से भावुक और गमगीन नजर आया। उनके दुख के साथ पूरा मोहल्ला गमगीन रहा, पीड़ित परिवारों के घर सांत्वना देने के लिए भारी भीड़ उमड़ती रही। यह

हादसा न सिर्फ छह ज़िंदगियों को लील गया, बल्कि पूरे समाज के दिल पर गहरे ज़ख्म छोड़ गया, जिनकी टीस लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

दल नायक धर्मवीर ने पूरी रात छानी अस्पतालों की खाक

मुजफ्फरनगर। वैष्णो देवी हादसे की भयावह कहानियां और अपनों को खोने का दर्द लेकर लौटे दक्षिणी रामपुरी से गये 23 लोगों के दल नायम धर्मवीर प्रजापति पुत्र सोहनवीर ने बताया कि वो करीब 30 साल से लगातार इसी प्रकार दल लेकर माता वैष्णो देवी की यात्रा पर हर छह माह बाद जाते हैं। वो रामलीला टिल्ला पर रहते थे और करीब 20 साल पूर्व परिवार सहित दक्षिणी रामपुरी में आकर बस गये थे और तब से यहीं से यह यात्रा लगातार जारी है। उन्होंने हादसे के बारे में बताया कि 26 अगस्त को पूरे दल के साथ आगे पीछे वो अर्धकुमारी पर पहुंचे थे, यहां दल के सभी लोगों को उन्होंने विश्राम करने के लिए कहा और चाय पीकर कुछ देर बाद आगे की यात्रा करने का उनका विचार था, लेकिन दल में शामिल लोगों ने यात्रा जारी रखने की बात कही और विश्राम करने से इंकार कर दिया। कुछ आगे ही बढ़े और अर्धकुमारी के दूसरे मोड पर उनके दल के कुछ साथी पहुंच गये थे, वो नीचे थे तभी तेज आवाज के साथ बिजली पहाड़ पर गिरी और पूरा पहाड़ दरक गया। इसके बाद किसी का कुछ पता नहीं चला। सभी बिछड़ गये। उनके साथ एक पोता 9 साल का वैभव पुत्र शिवम ही था। दल के लोगों ओर परिजनों को तलाशन के लिए मुश्किल पैदा हो गई। वो अर्धकुमारी से जम्मू तक न जाने कितने अस्तपालों की खाक छानते रहे। पूरी रात के लिए उन्होंने किराये पर एक टैम्पो किया। पोते को वहीं एक बंद दुकान के बाहर छोड़ा और हादसे की रात करीब एक बजे अजय उनको अर्धकुमारी पर नारायण हॉस्पिटल में घायल मिला। इसके बाद उनकी पुत्रवधु डोल पत्नी अमित उनको सरकारी अस्पताल में नीची मिली। धर्मवीर प्रजापति ने संकट में हौसला नहीं खोया, अपने घाव और दर्द को भूलकर सभी को तलाशने में जुटे रहे। वो अपने साथ परिवार के पुत्रवधु डोली पत्नी अमित, पोते–पोतियों विहान 9 पुत्र अमित, वैष्णवी 7 व पूरवी 6 पुत्री अमित, वैभव 10 पुत्र शिवम प्रजापति के अलावा अपने भाई मनोज की पुत्री खुशी 16 और पुत्र नैतिक 14 को साथ लेकर गये थे। सभी सुरक्षित हैं। डोली घायल हुई है।

बेटों की मौत की खबर सुनकर बेहोश हो गया था अजय, अंगूठा कटा, दो ऑपरेशन हुए

मुजफ्फरनगर। वैष्णो देवी हादसे में दक्षिणी रामपुरी के अजय प्रजापति के दो पुत्र अनंत और शिवम की मौत हो गई, वो खुद अपने बायें पैर का अंगूठा और अंगुली गंवा चुके हैं, पैर में रॉड डली है, पत्नी मोनिका उर्फ मोनी घायल है और 6 साल की पुत्री पूरवी भी घायल है, उसको घुटने में रॉड डाली गई है। ये सभी अर्धकुमारी स्थित नारायण हॉस्पिटल में भर्ती थे। 15 घंटे का थकान भरा सफर कर एक ही एम्बुलेंस से अजय, मोनिका, पूरवी, धर्मवीर और डोली बुधवार की सुबह करीब 4 बजे अपने घर पहुंचे। अजय ने बताया कि मंगलवार को दोपहर एक बजे उनकी अस्पताल से छुट्टी कर दी गई थी

अजय ने हादसे को लेकर बताया कि धर्मवारी चाचा ने उन सभी को अर्धकुमारी से पहले ही चाय पीने और विश्राम के लिए ठहरने को कहा था, लेकिन माता के दर्शन के उत्साह में सभी ने मना कर दिया। उस दिन तेज बारिश हो रही थी। बिजली बार बार कड़क रही थी। अर्धकुमारी के मार्ग पर दूसरा मोड ही आया और पहाड़ तीर्थ यात्रियों पर ढह गया। अजय ने उस दौरान अपनी पुत्री पुरवी का हाथ थाम रखा था। मलबा इतना था कि सभी बिछड़ गये। उनको होश आया तो वो नारायण अस्पताल में बुरी तरह से घायल अवस्था में थे, किसी का कुछ पता नहीं चल पा रहा था। उसी रात 11.30 बजे उनको पैर का ऑपरेशन करने के लिए ले जाया गया। वो फिर बेहोश हो गये।

हादसे के तीसरे दिन गुरूवार 28 अगस्त को उनकी पत्नी मोनिका और पुत्री पूरवी घायल अवस्था में उसी अस्पताल में दिखी। बेटों का कुछ पता नहीं चल पा रहा था। अजय ने बताया कि 29 अगस्त को हॉस्पिटल में रामलीला टिल्ला के मिंटू कश्यप व अन्य परिजन अपने पुत्र कार्तिक की तलाश के लिए पहुंचे थे, वो मिले तो उन्होंने बताया कि वो जम्मू पोस्टमार्टम हाउस से आये हैं, वहा काफी लोगों के शव पड़े हैं, बच्चों के लापता की जानकारी दी तो उन्होंने वहां के कुछ बच्चों के फोटो दिखाये, इसमें अनंत और दीपेश के फोटो देखकर अजय को सदमा लगा और बेहोश हो गये।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा एशिया की प्रसिद्ध गुड़ मंडी में चलाया स्वदेशी जागरण अभियान

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के पदाधिकारीयो द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर एशिया की प्रसिद्ध गुड मंडी में संयुक्त व्यापार संघ संघर्ष समिति व नवीन मंडी व्यापार संघ अध्यक्ष संजय मिश्रा के प्रतिष्ठान पर स्वदेशी जागरण अभियान के अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के यशस्वी जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी वं विशिष्ट अतिथि के रूप में संयुक्त व्यापार संघर्ष समिति के संरक्षक कृष्ण गोपाल मित्तल, अध्यक्ष संजय मिश्रा, भाजपा नेता अंचित मित्तल, भाजपा नेता जितेंद्र कुच्छल सम्मिलित हुए। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला संयोजक सुनील तायल, सहसंयोजक व कार्यक्रम संयोजक तरुण मित्तल,सहसंयोजक आशीष तोमर,बृज किशोर गुप्ता,संयोजक केशव मंडल विवेक सिंघल द्वारा अतिथियों का पटका पहनाकर व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी द्वारा अपने संबोधन में स्वदेशी जागरण अभियान के विषय में विस्तृत रूप से बताया गया व समस्त व्यापारियों से ष्स्वदेशी अपनाओ विदेशी भगाओष का आह्वान किया। हस्ताक्षर अभियान में

संयुक्त व्यापार संघ संघर्ष समिति के संरक्षक कृष्ण गोपाल मित्तल,अध्यक्ष संजय मिश्रा,संयोजक राकेश त्यागी,शलभ गुप्ता,रमन शर्मा,अरुण प्रताप,सुखबीर सिंह, अभिमन्यु मित्तल,जनार्दन विश्वकर्मा,सुरेंद्र मित्तल,रवि शर्मा,विक्की चावला,व पदाधिकारी विजय प्रताप सिंह,भूपेंद्र गोयल, सचिन शर्मा,संजय चावला,राघव मिश्रा,भूपेंद्र गोयल,रवि कुच्छल,मदन शर्मा,संजय गोस्वामी,प्रदीप गर्ग,मोहित गुप्ता,कुश कुच्छल,अंकुश कुच्छल,रूचिन गुप्ता,निशांत कुमार, सुरेश कुमार,सहित अनेकों पदाधिकारीयो एवं व्यापारियों द्वारा सहभागिता की गई।

पावर हाउस के अधिकारी पर झूठे आरोप लगा कर बदनाम करने की कोशिश करे सपा विधायक

लखनऊ, संवाददाता। हुसैनगंज पावर हाउस के उपखंड अधिकारी अमित कुमार सिंह के खिलाफ लगातार शिकायतें और पत्राचार कर रहे समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा एक नए विवाद में फंसते नजर आ रहे हैं। राजाजीपुरम निवासी संजय शर्मा ने खुलकर आरोप लगाया है कि विधायक मेहरोत्रा बिजली चोरी माफिया के दबाव में आकर अमित कुमार सिंह को परेशान करने की मुहिम चला रहे हैं। संजय शर्मा का कहना है कि अमित कुमार सिंह ने अपने कार्यकाल में क्षेत्र में बिजली चोरी रोकने और पारदर्शी कार्यप्रणाली लागू करने के लिए कड़े कदम उठाए। यही वजह है कि बिजली चोरी करने वाले संगठनों और उनके राजनीतिक संरक्षणकर्ताओं की नींद उड़ गई। अब इन्हीं के दबाव में विधायक मेहरोत्रा बार–बार ऊँचे स्तर पर पत्र लिखकर अमित कुमार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में विधायक मेहरोत्रा ने ऊर्जा मंत्री व मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अमित कुमार सिंह पर मनगढ़ंत आरोप लगाए। परंतु जांच में बार–बार यही स्पष्ट हुआ कि शिकायतें निराधार हैं और अधिकारी के कार्य में कोई गड़बड़ी नहीं मिली। संजय शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि ऐसे झूठे आरोपों और राजनीतिक दबाव के चलते ईमानदार अधिकारियों का उत्पीड़न जारी रहा तो इसका सबसे ज़्यादा नुकसान आम जनता को होगा, जो सही समय पर बिजली आपूर्ति चाहती है। उन्होंने मांग की है कि सरकार विधायक की भूमिका की भी जांच कराए और यह देखा जाए कि आखिर किसके इशारे पर वे ईमानदार अधिकारियों के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। आम जनमानस भी मानता है कि योगी सरकार के अधिकारियों की सख्ती से ही हुसैनगंज क्षेत्र में बिजली चोरी पर नकेल कसी गई है।

एक गुलाब

(कुण्डलिया)

केवल एक गुलाब ही, है ऐसा इक फूल।
दिल में करके गुदगुदी, उत्तर दे माकूल।
उत्तर दे माकूल, हमेशा ख़ामोशी से।
धड़कन से संवाद, करे वह बेबाकी से।
सुन लो कहें प्रदीप, समझ मत इसको बेकल।
करे प्यार की बात मौन धारण कर केवल।।

कारण कुछ भी हो मगर, बात यही है सत्य।
बढ़ती हैं दिल धड़कनें, सुन गुलाब का कथ्य।
सुन गुलाब का कथ्य, मुहब्बत चुपके–चुपके।
करती है संवाद, बेधड़क छुपके–छुपके।
सुन लो कहें प्रदीप, न इसका दिखे निवारण।
केवल एक गुलाब, प्रेम का बनता कारण।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

खतरे की आशंका को लेकर निरगाजनी झाल पर पुल हुई दीवार

भोपा। निरगाजनी झाल पर ब्रिटिश कालीन जज्जर हुए पुल का मलबा गिरने से खतरे की आशंका व्याप्त हो गयी। जिसके बाद लोक निर्माण विभाग द्वारा दीवार कराकर पुल को बंद कर दिया गया है। पुल के बंद हो जाने से शुकतीर्थ–बरला मार्ग बंद हो गया है। जिससे हजारों वाहनों को मार्ग बदलना पड़ा है, वहीं क्षेत्र के किसानो को खेत पर जाने की समस्या पैदा हो गयी है। क्षेत्रवासियो ने शीघ्र पुल के निर्माण की मांग शासन– प्रशासन से की है। भोपा थाना क्षेत्र के निरगाजनी झाल की पंचक्की के पास

सेंकड़ो वर्ष पुराने जज्जर पुल पर मंगलवार को दीवार कर चोपहिया वाहनों के लिए प्रवेश बंद कर दिया गया।जिसके बाद शुकतीर्थ–बरला मार्ग बंद होने से हज़ारो वाहनों को अपना रास्ता बदलना पड़ा है। लोक निर्माण विभाग के बेलदार दीपराज ने बताया की पुल के मध्य से भारी मलबा नीचे गिर गया। जिसकी सूचना अधिकारियो को दी गयी।मंगलवार को विभाग के एक्सईएन अनिल राना,एसडीओ मोनी सिंह,जेई विपिन कुमार द्वारा निरिक्षण कर पुल के दोनों ओर दीवार कराकर पुल को बंद कर दिया गया है। रहमतपुर निवासी ग्रामीण धनपाल सिंह ने बताया की छरूदिन पूर्व एक ट्रक के गुज़रने के दौरान पुल के बीच से भारी मात्रा मे ईंट आदि नीचे गिर गयी थी। उनके द्वारा प्रथम सूचना सिंचाई विभाग को दी गयी थी। पुल के बंद हो जाने से रहमतपुर, गड़वाडा, सिकंदरपुर गांव के किसानो को खेत पर जाने की समस्या उत्पन्न हो गयी है। वहीं प्रतिदिन इस मार्ग से शुकतीर्थ व मोरना क्षेत्र से बसेड़ा,बरला, देवबन्द, सहारनपुर आदि की ओर जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। क्षेत्र वासियो ने निरगाजनी झाल के पनचक्की पुल सहित जज्जर हो चुके पॉवर हाउस पुल को शीघ्र बनवाने की मांग शासन प्रशासन से की है।

केतकी का घर सपाइयों ने घेरा, बेटी बोली–मां फाड़ देगी,टोटियां लेकर पहुंचीं थी सपा कार्यकर्ता

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी में सपा की महिला कार्यकर्ताओं ने भाजपा विधायक केतकी सिंह का घर घेर लिया। हाथ में टोटियां लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगीं। महिलाओं ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर की गई टिप्पणी के विरोध में केतकी सिंह मुर्दाबाद के नारे लगाए। हंगामा बढ़ता देख महिला पुलिस मौके पर पहुंची।

सपा कार्यकर्ताओं की पुलिस से नोकझोंक हो गई। 45 मिनट चले हंगामे के बाद पुलिस ने महिला कार्यकर्ताओं को टांगकर बस में बैठाया। उन्हें ईको गार्डन धरना स्थल ले गई। बलिया के बांसडीह से विधायक केतकी सिंह ने मंगलवार को अखिलेश यादव पर कहा था कि पहले टोटियां वापस करें। फिर सरकार से सवाल करें। भाजपा विधायक केतकी सिंह की नाबालिग बेटी ने कहा मेरी मां बलिया में हैं। इन लोगों को वहां जाना चाहिए, जहां की वो विधायक हैं। वहां जाकर आप लोग बोलें तो ठीक भी लगता। सपा के लोगों को लगता है कि एक 16 साल की लड़की को डरा करके राजनीति कर लेंगे। क्या इनकी पार्टी में इन्हें यही सिखाया गया है। ये बिल्कुल गलत है। मुझे आप लोगों से कोई डर नहीं लगता। अगर आप लोग मेरी तरफ उंगली भी उठाएंगे तो मेरी मां आप लोगों को बीच से फाड़ देगी।

सम्पादकीय.....

तुरंत मदद जरूरी

कई दशकों की सबसे बड़ी विनाशकारी बाढ़ की त्रासदी झेल रहे पंजाब में जन–धन की व्यापक क्षति हुई है। खेतों में खड़ी फसलें ही नष्ट नहीं हुई हैं बल्कि खेतों की उर्वरता की भी हानि हुई है। लेकिन जिस गति से उत्तर भारतीय राज्यों को बाढ़ ने अपनी चपेट में लिया है, उसको लेकर राहत की तत्काल प्रतिक्रिया केंद्र सरकार की तरफ से नजर नहीं आती। फिलहाल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और जम्मू–कश्मीर विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। विनाशकारी बाढ़ ने व्यापक पैमाने पर फसलों को तबाह किया, घरों को तहस–नहस किया, पशु धन की बर्बादी हुई है और बाढ़ के पानी ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को तहस–नहस कर दिया है। इस आसमानी आफत के सामने लोग लाचार व असहाय नजर आ रहे हैं। नागरिक इस संकट के वक्त में शासन से जिस सहानुभूति और निर्णायक मदद की कार्रवाई की उम्मीद कर रहे थे, उसके बजाय नौकरशाही की सुस्ती और नाममात्र की घोषणाओं ने उन्हें निराश किया है। इस संकट की घड़ी में वे तंत्र की काहिली बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं है कि पंजाब पहले ही कृषि संकट से जूझ रहा था। लेकिन बाढ़ की तबाही ने उसके बड़े उपजाऊ क्षेत्र के संकट को और गंभीर बना दिया है। किसानों को अब सामान्य स्थिति बहाल करने में सालों लग जाएंगे। इसी तरह हिमाचल लगातार दूसरे वर्ष भी अतिवृष्टि जनित व्यापक तबाही की मार झेल रहा है। आपदाग्रस्त हिमाचल में सड़कों का ताना–बाना बिखर गया है। बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि ने व्यापक जन–धन की हानि की है। राज्य अभी बीते वर्ष की आपदा के जख्मों से उबरा नहीं था कि इस साल अतिवृष्टि ने भयावह तबाही का मंजर पैदा कर दिया। तमाम इलाकों से भूस्खलन और तबाही की खबरें आ रही हैं। राज्य ढहे पुलों और फंसे पर्यटकों के संकट से जूझ रहा है। इससे इस संवेदनशील पहाड़ी राज्य की अर्थव्यवस्था भी खतरे में पड़ गई है।इसी तरह हरियाणा के अनेक गांव मुख्य भू–भाग से कट गए हैं। सड़कें नष्ट हुई हैं और मवेशी बह गए हैं। जम्मू–कश्मीर में बादल फटने की घटनाओं और बाढ़ ने व्यापक जन–धन की हानि की है। बाढ़ ने हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया है। जिसके चलते राज्य का नाजुक सामाजिक और आर्थिक ताना–बाना बिगड़ गया है। केंद्र सरकार आपदा राहत की अनुग्रह राशि के चेक देकर और राहत से जुड़े बयानों तक सीमित नहीं रह सकती। इन राज्यों में विनाश के स्तर को देखते हुए तत्काल और ठोस हस्तक्षेप करने की जरूरत है। वक्त की मांग है कि इन क्षेत्रों के लिये विशेष राहत पैकेज की घोषणा हो। आपदा राहत निधि का त्वरित वितरण किया जाए। इसके साथ ही जरूरी है कि पीड़ित परिवारों को तुरंत सीधा वित्तीय हस्तांतरण किया जाए। यदि समय रहते ऐसे कदम नहीं उठाए जाते तो जनाकांक्षाओं के साथ छल ही होगा। केंद्र सरकार को राज्य पर सिर्फ जिम्मेदारी थोपते हुए ऋण को केंद्रीयकृत करने की अपनी प्रवृत्ति को त्यागना होगा। बाढ़ से बेहाल हुए पंजाब को राहत देने के लिये पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य के बकाया साठ हजार करोड़ रुपये की मांग की है। निस्संदेह, जब पंजाब बाढ़ के गंभीर संकट से जूझ रहा है तो केंद्र से तत्काल सहायता पाना उसका हक बनता है। इसके साथ ही यहां यह भी जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकार आपस में संवादहीनता की स्थिति को खत्म करें। दोनों सरकारें स्वीकार करें कि बाढ़ का संकट गंभीर है और लोगों को राहत पहुंचाना दोनों सरकारों की प्राथमिकता बने। इस संकट की घड़ी से उबरने के लिये राजनीतिक मतभेदों को तत्काल दूर करने की आवश्यकता है। निस्संदेह, केंद्र सरकार द्वारा बाढ़ प्रभावितों के लिये तत्काल मदद के रास्ते में आने वाली हर बाधा को दूर करने की जरूरत है। बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास, शीघ्र जल निकासी और राज्य सरकार और गैर सरकारी संगठनों के मजबूत समन्वय के लिए तत्काल आर्थिक सहायता की जरूरत है। इस संकट की घड़ी का मुकाबला सभी पक्षों के तालमेल व ईमानदार प्रयासों से ही संभव हो सकेगा।

साल 1988 की यादें ताजा कर रही पंजाब की भयावह बाढ़

डॉ. दीपक पाचपोर

यहाँ के लोग अपनी जिंदगी फिर से सही करने के लिए बड़ी मेहनत कर रहे हैं। पंजाब में बाढ़ सिर्फ बारिश और नदियों के बढ़ने की वजह से नहीं आती। इंसानों की कई गलतियों की वजह से भी बाढ़ बढ़ती है।

पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ ने 1988 की भयंकर बाढ़ की यादें फिर से ताजा कर दी हैं। उस वक्त सतलुज, व्यास और रावी नदियाँ बहुत ज्यादा बढ़ गई थीं, जिससे 500 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा बैठे थे। आज भी बाढ़ से कई जिले बहुत प्रभावित हुए हैं। खासकर गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का, जालंधर और रूपनगर जैसे जिले बाढ़ से सबसे ज्यादा परेशान हैं। यहाँ के लोग अपनी जिंदगी फिर से सही करने के लिए बड़ी मेहनत कर रहे हैं। पंजाब में बाढ़ सिर्फ बारिश और नदियों के बढ़ने की वजह से नहीं आती। इंसानों की कई गलतियों की वजह से भी बाढ़ बढ़ती है। जैसे नालों और नहरों की साफ–सफाई न होना, नदियों के रास्ते बंद हो जाना, कमजोर और टूटे हुए बांध, हरियाली की कमी, अवैध खनन और जंगलों की कटाई। साथ ही, नदी किनारे बिना अनुमति के घर और अन्य निर्माण भी बाढ़ की समस्या बढ़ाते हैं। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन की वजह से बारिश का तरीका बदल गया है और अब बारिश ज्यादा और अनियमित होती है, जिससे बाढ़ की स्थिति खराब हो रही है। नदियों में गाद जमा होने से पानी सही तरह से नहीं बह पाता क्योंकि सरकारें सालों से नदियों से गाद निकालने में कामयाब नहीं हो पाईं। साल 1988 की बाढ़ पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के लिए बहुत बड़ी तबाही लेकर आई थी। इस बाढ़ में उत्तर भारत में 1,400 से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें से 383 सिर्फ पंजाब में थे। उस साल मार्च से लगातार बारिश हो रही थी, लेकिन सितंबर में सतलुज, रावी और व्यास नदियाँ बहुत ज्यादा बढ़ गई थीं। 11 मार्च को गुरदासपुर में रावी नदी अचानक उफान पर आई, जिससे 40 गाँव पानी में डूब गए। जुलाई में सतलुज और रावी नदियों के पानी ने कई जिलों को पूरी तरह डुबो दिया। सितंबर के आखिरी दिनों में भाखड़ा और पौंग बाँधों के दरवाजे खोलने से बाढ़ और भी बढ़ गई। साल 1988 के पांच साल बाद, 1993 में भी पंजाब में बड़ी बाढ़ आई। इस बार करीब 300 लोग मारे गए और 6,200 मवेशी पानी में डूब गए। अमृतसर, गुरदासपुर, लुधियाना, पटियाला, होशियारपुर और संगरूर जैसे इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। पंजाब रिमोट सेंसिंग सेंटर के अध्ययन से पता चला कि 1988 की बाढ़ नदियों के बहुत बढ़ जाने की वजह से आई थी, लेकिन 1993 की बाढ़ नहरों और तटबंधों में दरारें आने की वजह से ज्यादा नुकसान पहुंचाई। जानकारी से पता चलता है कि पंजाब में नदियों के किनारे बने तटबंध और बांध सही तरीके से रखरखाव नहीं होते। नहरों की सफाई भी ठीक से नहीं की जाती, जिससे पानी का बहाव ठीक से नहीं हो पाता। जल निकासी की व्यवस्था कमजोर है और प्राकृतिक जलमार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। नहरों, रेलवे ट्रैक, सड़कों और खेती के कारण पानी का प्राकृतिक रास्ता बाधित हो गया है। साथ ही, बाढ़ वाले इलाकों में बिना अनुमति के बन रहे घर और कमजोर बांधों की वजह से बाढ़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया है। एक अध्ययन के मुताबिक साल 2023 की बाढ़ जलवायु परिवर्तन के कारण आई असामान्य और भारी बारिश की वजह से हुई थी। हिमाचल प्रदेश में 7 से 11 जुलाई 2023 तक सामान्य से 436: अधिक बारिश हुई जिससे ब्यास, घग्गर और सतलुज नदियाँ पंजाब के निचले इलाकों में घुस गईं। लगभग 2.21 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र बाढ़ की चपेट में आ गया, जिसमें खासकर धान की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई। एक प्रोफेसर के अनुसार पंजाब में बाढ़ प्रबंधन के लिए मास्टर प्लान होने के बावजूद बाढ़ का प्रभाव कम करने में असफल रहे हैं। तटबंधों का कमजोर होना, नदियों के किनारे अवैध अतिक्रमण, और वित्तीय व राजनीतिक कमी ने स्थिति को खराब कर दिया है। साल 1988 से 2010 तक के आंकड़े बताते हैं कि सहायक नदियों की सफाई न होना, तटबंधों का टूटना, नहरों में कट लगाना और जल निकासी प्रणाली की कमी प्रमुख कारण रहे हैं।

वोट चोरी के खिलाफ पूरा विपक्ष एक साथ

प्रेम शर्मा

बिहार में 17 अगस्त से शुरु हुई वोटर अधिकार यात्रा का समापन कार्यक्रम 1 सितंबर को पटना में हो गया। हालांकि इस समापन से एक नयी शुरुआत देश भर में हो चुकी है जिसमें अपने मताधिकार की रक्षा के लिए जनता स्वतरूस्फूर्त खड़ी होती दिख रही है। पटना में है। दो दिन पहले गुजरात में कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने लोकसभा सीट नवसारी और विधानसभा सीट चोरयासी पर जांच का दावा किया है। उन्होंने बताया कि कुल मतदाताओं में करीब 30 हजार फर्जी हैं। जब दो सीटों पर इतनी बड़ी संख्या में फर्जी वोटर हैं, तब इस फर्जीवाड़े का दायरा और कितना बड़ा होगा, यह अनुमान लगाया जा सकता है। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव इसके अलावा लोकसभा चुनावों में भी मतदाता सूची में हेरफेर के इल्जाम श्री गांधी लगा चुके हैं, तो मुमकिन हैं अबकी बार इन्हीं से किसी चुनाव की गड़बड़ी फिर से सामने लाई जाएगी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी बिहार में यात्रा समापन पर शामिल हुए और उन्होंने कहा कि वोट चोरी पहले से चल रही थी, पकड़ में अब आई है। पटना में राहुल–तेजस्वी द्वय के साथ जेएमएम से हेमंत सोरेन, शिवसेना से संजय राउत, एनसीपी से जितेंद्र आव्हाड़, टीएमसी से युसूफ पठान, माकपा से एम ए बेबी, भाकपा से डी राजा और एनी राजा सभी समापन के मौके पर शामिल हुए। इससे पहले एम के स्टालिन, कनिमोझी, अखिलेश यादव, पप्पू यादव तो यात्रा में साथ चले भी हैं। इसके संकेत साफ हैं कि वोट चोरी या एसआईआर के जरिए मतदाता सूची से नाम काटने का मुद्दा केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश का मुद्दा बन चुका है और समूचा विपक्ष इसमें एक साथ भाजपा के खिलाफ खड़ा है। पूरा विपक्ष चुनाव आयोग पर धांधली के एक जैसे इल्जाम लगा रहा है। अभी आम आदमी पार्टी इसमें शामिल नहीं हुई, लेकिन वोट चोरी की शिकायत वह भी करती है और जब संसद से चुनाव आयोग तक विपक्ष का पैदल मार्च हुआ था, तब आप के सांसद संजय सिंह भी शामिल हुए थे। भाजपा के लिए और नरेन्द्र मोदी की सत्ता के लिए यह अच्छे संकेत नहीं हैं कि विपक्ष पहले से ज्यादा ताकतवर और एकजुट दिखाई दे रहा है। वैसे तो पूरी यात्रा के दौरान भारी हुजूम उमड़ा रहा, लेकिन समापन के मौके पर न केवल बिहार बल्कि देश के अलग–अलग जगहों से लोग अपने आप पहुंचे थे। गांधी मैदान से अंबेडकर प्रतिमा तक विपक्ष के काफिले को आगे बढ़ने में घंटों लगे क्योंकि तिल रखने की जगह भी नहीं थी। तिरंगे, हरे, लाल, नीले रंग के झंडों से पटना अटा पड़ा था और वहीं बहुत से लोगों ने काले कपड़ों में भी अपनी मौजदूगी दर्ज कराई। लेकिन उनका भी राहुल–तेजस्वी से बैर नहीं था, और न ही नरेन्द्र मोदी की तरह किसी को काले कपड़ों में आने से रोका गया। बल्कि 30 अगस्त को यात्रा के आखिरी दिन भोजपुर में भारतीय जनता युवा मोर्चा के 4 कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए थे, तो उन्होंने उन युवकों को पास बुलाकर उनकी बात सुनी थी और बताया था कि श्री मोदी के लिए जो अपशब्द कहे गए, तब वो वहां नहीं थे, न किसी कांग्रेसी ने ऐसा कहा है। हालांकि भाजपा अब इसे ही मुद्दा बनाने की कोशिश में थी। राहुल की सभा में बिजली काटना, ट्रैफिक जाम करवाना, ये सारे दांव भी भीड़ को रोक नहीं पाए, तो श्री मोदी की दिवंगत मां का मुद्दा खड़ा हो गया। पटना में सदाकत आश्रम पर लाठी डंडों के साथ हमले के बाद सोमवार को भी लखीमपुर खीरी में कांग्रेस मुख्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं ने तोड़–फोड़ मचाई और यह सब पुलिस की मौजूदगी में हुआ। इधर राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले बयान के फौरन बाद भाजपा ने प्रेस कांफ्रेंस की, जिसमें रविशंकर प्रसाद ने उन्हें विपक्ष के नेता की गरिमा का वास्ता दिया। राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाए कि दुनिया में आज तक हाइड्रोजन बम नहीं फूटा, राहुल गांधी इसे फोड़ने की बात कह रहे हैं। जिस हड़बड़ी में भाजपा ने ये प्रेस कांफ्रेंस की और ऐसा लगा कि बिना तैयारी के ही पूर्व कानून मंत्री पत्रकारों को संबोधित करने बैठे थे, उससे जाहिर हो रहा है कि बिहार का माहौल अब भाजपा को डराने लगा है। वैसे भी चुनाव आयोग पर अब और नए आरोप सामने आए हैं। रविवार को पवन खेड़ा ने बताया कि मतदाता सूची में गड़बड़ी की 89 लाख शिकायतें चुनाव आयोग को दी गई हैं। क्योंकि इससे पहले चुनाव आयोग ने अदालत में कहा था कि उसके पास शिकायतें नहीं आई हैं। कांग्रेस नेता ने बताया कि चुनाव अधिकारी बूथ एजेंटों से शिकायतें नहीं लेते और व्यक्तिगत शिकायत जमा करने कहते हैं, जो कि संभव नहीं है, क्योंकि लाखों लोग, जिनके नाम वोटर लिस्ट से कट चुके हैं वे चुनाव अधिकारी तक नहीं पहुंच सकते हैं। कांग्रेस ने कहा है कि बूथ एजेंटों ने सभी के आवेदन इकट्ठा कर, जिला अध्यक्षों के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी को जमा करवाए हैं। इस खुलासे से जाहिर है कि चुनाव आयोग तक शिकायत पहुंचाने की कोशिश राजनैतिक दल कर रहे हैं। इसी तरह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पति परकला प्रभाकर ने चुनाव आयोग से सवाल किए हैं। क्योंकि पत्रकार श्रीनिवासन रमानी की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बिहार में एसआईआर के तहत तो 65 लाख वोट विभिन्न इलाकों से काटे गए हैं, उनके विश्लेषण पर गंभीर सवाल उठते हैं। जैसे 80 इलाकों में युवा मतदाताओं के मृत्यु के आंकड़े आश्चर्यजनक रूप से सामने आए हैं। 127 इलाकों में वोटर लिस्ट में नाम काटने में लिंगभेद देखा गया है, 1985 इलाके ऐसे हैं, जहां अतार्किक तौर पर मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। 937 इलाके तो ऐसे हैं, जहां सारे मतदाताओं को मृत बताया गया है, 5084 इलाकों में बड़ी संख्या में अनुपस्थित मतदाता दिखाए गए हैं। ऐसी ही कई और अनियमितताओं का खुलासा रिपोर्ट में किया गया है, जिसकी गहन जांच की जरूरत बताई गई है।

समापन के मौके पर उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कर्नाटक की महादेवपुरा सीट में फर्जी मतदाताओं की पड़ताल के प्रकरण को दोहराते हुए कहा कि तब तो केवल एटम बम फटा था, लेकिन उससे भी ताकतवर होता है हाइड्रोजन बम, जो अब फूटने जा रहा है। निश्चित ही कांग्रेस पार्टी ने कई ऐसे और सबूत अब तक एकत्र कर लिए होंगे, जिनके सामने आने से बड़ा धमाका होने वाला

सिखाने के साथ सीखने का परिवेश भी बनाएं शिक्षक

संतोष बाजपेयी

सीखने के लिए सहज परिवेश का होना जरूरी है। क्लासरूम हो या स्कूल का परिसर, बच्चों पर पूरे वातावरण का असर पड़ता है। इस माहौल को सहज रखने में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। बालमन को समझने से जुड़ा टीचर्स का नजरिया बहुत अहमियत रखता है। कहते हैं कि बच्चों का भविष्य बनाने में सबसे बड़ी जिम्मेदारी शिक्षकों के हिस्से ही आती है। इस दायित्व का अहम हिस्सा बालमन को समझना ही है। फिर बात चाहे किसी विषय का पाठ पढ़ाने की हो या जिंदगी जीने का सबक समझाने की। टीचर्स के व्यवहार की सहजता बहुत कुछ आसान कर देती है। बच्चों के मन को समझते हुए शिक्षक उन्हें सहजता से सीखना सिखायें। हमारे यहां पढ़ाई सिर्फ अंकों की दौड़ बनकर रह गई है। ऐसे में शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को उनके रुचिकर विषयों से जोड़ें। रटने और परीक्षा पास करने की दौड़ से बाहर लाकर, सही मायने में शिक्षित होने की ओर मोड़ें। अध्ययन ही नहीं, समाज का सहज अवलोकन भी बताता है कि शिक्षक अपने विद्यार्थियों में सीखने के प्रति जुनून पैदा करने में हम भूमिका निभा सकते हैं। सकारात्मक शैक्षिक वातावरण बनाकर बालमन पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। सार्थक संवाद कर मन को साधना सिखा सकते हैं। इसीलिए टीचर्स बच्चों की कमियों और अच्छाइयों, दोनों पर बात करें। पढ़ाई को बोझ ना बनायें। कहते हैं कि ज्ञान की बातें तो किताबों में लिखी ही होती हैं। इन बातों को सही ढंग से समझाने का काम शिक्षक ही कर सकते हैं। अच्छे विचारों को व्यवहार में उतारने की प्रेरणा सिखाने वालों से ही मिलती है। किसी कला या खेल का प्रशिक्षण हो या पढ़ाई, अध्यापकों का यह सहज सा तरीका ही पढ़ने–सीखने के भाव को सार्थक बनाता है। आज के दौर में शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे बंधी–बंधाई लीक पर चलने के बजाय बच्चों को नवाचार से जोड़ें। नई चीजें सीखने को प्रेरित करें। तकनीक से जोड़ते हुए उसका संतुलित उपयोग करने का भाव जगाएं। मौजूदा दौर में कृत्रिम सुविधाओं से अटते संसार में बच्चों के भीतर छुपी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का प्रयास बहुत आवश्यक हो चला है। क्लासरूम में तयशुदा पैटर्न पर चलने के बजाय बच्चों को नया और बेहतर सोचने के लिए मोटिवेट करना जरूरी है । इतना ही नहीं, शिक्षक ही बच्चों को सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की ओर मोड़ सकते हैं। ऐसा होने पर बच्चे ना तो बेहतर प्रदर्शन करने पर दिशाहीन होंगे और ना ही पीछे रह जाने पर उनका मन डिगेगा। स्पष्ट है कि ऐसा प्रेरणादायी माहौल बनाने के लिए बच्चों के मन और सोच की दिशा को समझना जरूरी है। इसके लिए शिक्षकों का सहज व्यवहार बहुत जरूरी है। औपचारिकता अध्यापकों को बच्चों के मन के करीब नहीं ला सकती। शिक्षकों और बच्चों का सहज जुड़ाव उनकी प्रतिभा और विचार की दिशा को समझने में मददगार बनता है। बालमन में नई चीजों को समझने और कुछ नया करने की दिलचस्पी जगाता है। अमेरिकी लेखक मार्क वैन डोरेन के अनुसार 'शिक्षण की कला खोज में सहायता करने की कला है।'हमारे यहां शिक्षकों और बच्चों में बहुत औपचारिकता भी देखने को मिलती है। यह बात क्या, कैसे और क्यों सीखना है की यात्रा में बाधा बनती है। असल में शिक्षक की जिम्मेदारी होती है कि वह बच्चों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं बल्कि मन–जीवन संवारने वाले अच्छे संस्कार भी दे। शिक्षकों का काम स्कूली पाठ्यक्रम पूरा करवाना भर नहीं। चर्चित लेखक और स्पोर्ट्स राइटर बॉब टाल्बर्ट के मुताबिक 'बच्चों को गिनती सिखाना ठीक है, लेकिन उन्हें क्या गिनना है यह सिखाना सबसे अच्छा है।' ऐसे में जिंदगी से जुड़ा पाठ पढ़ाना, बच्चों के व्यवहार और विचारों को तराशना भी टीचर्स की जिम्मेदारी है। बालमन को समझते हुए बच्चों से सकारात्मक ढंग से जुड़ने से इस जिम्मेदारी को निभाना आसान हो जाता है। आपसी समझ की इस बुनियाद पर नयी पीढ़ी के भविष्य की इमारत खड़ी होती है। जीवन को संवारने की राह पकड़ने के मार्ग पर चलते हुए बच्चों को जिंदगी के हर पहलू से जुड़ी सीख सहजता से दी जा सकती है। स्कूलों में हर तरह की पारिवारिक पृष्ठभूमि से बच्चे आते हैं। हर बच्चा अपने आप में खास होता है। इसीलिए शिक्षकों को संवेदनशीलता के साथ बच्चों को समझना चाहिए। शिक्षकों की बातों का ही नहीं बर्ताव का भी बच्चों पर गहरा असर होता है। कहते भी हैं कि 'क्लासरूम की चार दीवारें हो सकती हैं, लेकिन शिक्षक के प्रभाव की कोई सीमा नहीं होती। यही वजह है कि पढ़ाने–सिखाने के दायित्व का निर्वहन बहुत सधेपन और संवेदनशीलता से होना चाहिए। टीचर्स को अपनी भावनाओं पर काबू रखते हुए बच्चों की भावनाओं को समझने का प्रयास करना चाहिए, ताकि हर बच्चे का संबल बन सकें। कई बार बच्चों के नकारात्मक व्यवहार और सीखने के प्रति उदासीनता की वजह उनके घर का माहौल भी होता है। इसीलिए क्लास में दो–तरफा संवाद जरूरी है। ताकि बच्चे भी अपनी बातें साझा कर सकें। इस सार्थक संवाद के लिए भी बच्चों के साथ संजीदगी से व्यवहार करना जरूरी है। इतना ही शिक्षकों का यह सहज और संवेदनापूर्ण जज्बा बच्चों को सफलता या असफलता के दौर में भी संभाल सकता है।

बाहुबली के रूप में प्रभास बनें करोड़ों दिलों पर राज करने वाले सम्राट

> बाहुबली की शूटिंग के दौरान प्रभास को कुल ६,००० तक शादी के प्रस्ताव मिले थे, जो उनकी खास और आकर्षक छवि का एक जबरदस्त सबूत है। इतना ही नहीं कुछ फैंस ने आगे बढ़ते हुए खुद की तस्वीरों संग प्रभास को जोड़ा। जबकि कुछ ने उनके किरदार से प्रेरित कला को आकर दिया। फैंस की दिनवागी की हद तब देखने मिली जब एक फैन ने महेंद्र बाहुबली की तस्वीर अपनी पीठ पर बनवाई।

सिनेमा की दुनिया में कुछ किरदार ऐसे होते हैं जो सिर्फ स्क्रीन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि दर्शकों के दिलों में गहराई से उतर जाते हैं, खासकर फीमेल फैंस के दिलों में। प्रभास का ऐसा ही किरदार है, जो एस.एस. राजामौली की मैग्नस आपस फिल्म बाहुबली द बिगिनिंग और बाहुबली द कन्क्लूजन में नजर आया। सुपरस्टार प्रभास की प्रभावशाली मौजूदगी बिना किसी शक देश भर में पसंद की जाती है। बात करें उनके खास अंदाज की, या फिर उनके सहज स्वभाव की जिससे वह एक ऐसे हीरो के रूप में बनकर सामने आएं हैं, जिन्हें साफ लफ्जों में कहा जाए तो सिर्फ पसंद ही नहीं किया गया है बल्कि दीवानगी की हद तक प्यार भी किया गया है। प्रभास का स्वभाव एक सरल लेकिन प्यारा आकर्षण अपने आप में लिए हुए है। वहीं, बाहुबली के रूप में, उनका यह आकर्षण ताकत, शालीनता और सच्चे दिल का एक अच्छा मेल बनते हुए और भी खास बन गया। इस तरह से वह हर एक शख्स का रूप बन गए, जैसे मजबूत लेकिन सम्मान देने वाला, साहसी लेकिन दयालु जिसके बारे में फैंस ने बस सोचा था। प्रभास के इस फिल्मी आकर्षण ने पूरे देश में तारीफ की एक लहर पैदा कर दी। खबरों की माने तो, बाहुबली की शूटिंग के दौरान प्रभास को कुल 6,000 तक शादी के प्रस्ताव मिले थे, जो उनकी खास और आकर्षक छवि का एक जबरदस्त सबूत है। इतना ही नहीं कुछ फैंस ने आगे बढ़ते हुए खुद की तस्वीरों संग प्रभास को जोड़ा। जबकि कुछ ने उनके किरदार से प्रेरित कला को आकर दिया। फैंस की दिनवागी की हद तब देखने मिली जब एक फैन ने महेंद्र बाहुबली की तस्वीर अपनी पीठ पर बनवाई। लेकिन प्रभास का फैंस के साथ रिश्ता सिर्फ स्क्रीन पर उन्हें देखने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बहुत ही पर्सनल कनेक्शन है। प्रभास अपने नम्रता और दयालु स्वभाव के लिए जाने जाते हैं और फैंस से मिलने के लिए मीटअप्स भी करते हैं। वहां उन्होंने फैंस के साथ समय बिताने के साथ, उनके लिए बिरयानी और स्नैक्स का इंतजाम भी करते हैं। इससे उनके दिल में फैंस के लिए प्यार साफ झलकता है और उनका यह कदम फैन के साथ उनके जुड़ाव को और मजबूत करता है। "मेरी मां 65 हैं, टीवी सीरियल्स नहीं देखतीं, मूवीज में ज्यादा रुचि नहीं है और फ्री टाइम में किताबें पढ़ती हैं, ज्यादातर सिर्फ न्यूज देखती हैं।हमने सबने बाहुबली 1 थिएटर में देखा और वह बाहुबली 2 का इंतजार कर रही थीं। यह वही फिल्म है जिसके लिए उन्होंने मुझे जैसे ही रिलीज हो, टिकट बुक करने के लिए कहा। ऊपर से, उन्होंने बाहुबली 1 ओटीटी पर पिछले दिन ही देख लिया था ताकि कहानी का सिलसिला बना रहे। मुझे शक है कि मैं इसे फिर कभी देख पाऊंगा और पहले दिन का जबरदस्त फुटफॉल भी बाहुबली 1 के क्रेज का सबूत है।"यहाँ तक कि बॉलीवुड स्टार्स भी इससे बचे नहीं हैं। आलिया भट्ट ने एक इंटरव्यू में माना कि उन्होंने बाहुबली सीरीज में प्रभास का प्रदर्शन देखने के बाद खुद को एक "डाई–हार्ड फैन" बनते हुए देख हैरान रह गईं। वहीं, शिवांगी जोशी ने अपने अनुभव को याद करते हुए कहा कि वह खुद एक "बिग–टाइम बाहुबली फैन" हैं और प्रभास की तारीफ करते हुए कहा कि वह "बहुत ही प्यारे और बहुत ही नम्र" हैं। जब कॉफी विद करण में इस तरह की जबरदस्त तारीफों के मिलने के बारे में पूछा गया, तो प्रभास ने अपने खास विनम्रता से भरे अंदाज में जवाब देते हुए कहा, "इतना प्यार पाकर अच्छा लगता हैञ लेकिन जब लोग दूर रहते हैं और मुझे प्यार करते हैं, तो और भी अच्छा लगता है। बाहुबली सिर्फ एक किरदार नहीं था, बल्कि यह एक आदर्श था। यह एक ऐसा हीरो जिसमें प्यार, साहस और सम्मान का मेल था। हजारों प्रपोजल्स से लेकर सोशल मीडिया ट्रिब्यूट्स तक, फीमेल फैंस ने उनकी स्क्रीन पर मौजूदगी में प्रेरणा, रोमांस और प्यार का एहसास किया। ऐसे में प्रभास का ऑफ–स्क्रीन व्यवहार भी असल जीवन में विनम्र, दयालु और सरल व्यक्ति का है और यही चीजें हैं जो इस हीरो वर्शिप को और भी बढ़ावा देती हैं।

एक गलती ने बर्बाद कर दिया विवेक ओबेरॉय की फिल्मी करियर, बिजनेस में बनाया मुकाम

बॉलीवुड में सफलता पाना जितना मुश्किल है, उससे कहीं ज्यादा मुश्किल उस कामयाबी को बरकरार रखना है। कई स्टार्स अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर सुपरस्टार्स बन जाते हैं, लेकिन एक गलती उनको पूरी तरह बर्बाद कर देती है। हिंदी सिनेमा के एक स्टार के साथ भी ऐसा ही हुआ। यह और कोई नहीं बल्कि अभिनेता विवेक ओबेरॉय हैं। विवेक ओबेरॉय को लॉन्चिंग के साथ ही इंडस्ट्री का अगला सुपरस्टार कह दिया गया था। लेकिन एक चूक ने उनका फिल्मी सफर बिगाड़ दिया। आज यानी की 03 सितंबर को विवेक ओबेरॉय अपना 49वां जन्मदिन मना रहे हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेता विवेक ओबेरॉय के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

विवेक ओबेरॉय का 03 सितंबर 1976 को हुआ था। उनके पिता का नाम सुरेश ओबेरॉय था, जोकि दिग्गज अभिनेता थे। लेकिन इसके बाद भी विवेक ओबेरॉय का सफर आसान नहीं रहा। उन्होंने इंडस्ट्री में अपने दम पर पहचान बनाई। लेकिन विवादों ने उनके करियर की चमक को छीन लिया। लेकिन विवेक ओबेरॉय ने हार नहीं मानी और बिजनेस की ओर रुख किया। उन्होंने अपनी मेहनत से बिजनेस से करोड़ों का साम्राज्य खड़ा कर लिया।

फिल्मी सफर

साल 2002 में राम गोपाल वर्मा की फिल्म श्कंपनीश से विवेक ओबेरॉय ने इंडस्ट्री में कदम रखा था। यह क्राइम बेस्ड फिल्म थी और विवेक ने अपने किरदार को शानदार ढंग से निभाया कि हर ओर उनकी तारीफ होने लगी। पहली ही फिल्म ने विवेक को फिल्मफेयर अवॉर्ड दिला दिया और दर्शकों ने उनको इंडस्ट्री का उभरता हुआ सितारा मान लिया था। इसके बाद अभिनेता ने श्साथियाश जैसी रोमांटिक फिल्म से दिल जीता। इसके बाद उन्होंने श्शूटआउट एट लोखंडवालाश जैसी एक्शन फिल्म ने साबित कर दिया कि विवेक ओबेरॉय हर तरह के किरदार में फिट बैठ जाते हैं। शुरूआती दिनों में उनको इंडस्ट्री का अगला सुपरस्टार कहा जाने लगा था।

एक विवाद से बदल गई किस्मत

लेकिन एक गलती से विवेक ओबेरॉय का पूरा फिल्मी करियर चौपट हो गया। साल 2004 के आसपास अभिनेता विवेक ओबेरॉय का नाम एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय के साथ जोड़ा गया। लेकिन तभी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस ने सनसनी मचा दी। इस कॉन्फ्रेंस में विवेक ने दावा किया कि सलमान की ओर से उनको बार–बार धमकियां मिल रही हैं और वह उनको ऐश्वर्या राय से दूर रहने के लिए कह रहे हैं। सलमान खान के खिलाफ की गई यह बयानबाजी विवेक ओबेरॉय को भारी पड़ गई। इंडस्ट्री में उनकी इमेज बिगड़ गई और बड़े फिल्ममेकर उनसे दूरी बनाने लगे। धीरे–धीरे उनको काम मिलना लगभग कम होता गया और उनका करियर डगमगाने लगा। हालांकि विवेक ने कई बार पब्लिकली माफी भी मांगी, लेकिन हालात बेहतर नहीं हुए।

बनें सक्सेसफुल बिजनेसमैन

फिल्मों के ऑफर्स आना बंद हो गए, लेकिन विवेक ओबेरॉय ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने बिजनेस की ओर रुख किया और कई सालों की मेहनत के बाद उन्होंने खुद का साम्राज्य खड़ा कर लिया। इसके साथ ही विवेक ओबेरॉय ने दुबई और यूएई में भी बड़े–बड़े प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्टमेंट किया है।

असली या फेक: सिद्धार्थ-कियारा ने दिखाया बेबी गर्ल का चेहरा! इंटरनेट पर वायरल तस्वीरों ने काटा गदर

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी को लेकर सोशल मीडिया पर इन दिनों खूब चर्चा हो रही है। हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें वायरल हो रही है, जिसमें दोनों एक प्यारी सी बच्ची के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के सामने आते ही फैंस हैरान हैं और तरह–तरह की बातें कर रहे हैं। आइए जानते हैं क्या है इन तस्वीरों की पूरी सच्चाई। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की एक फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। तस्वीर में सिद्धार्थ की गोद में एक नन्ही बच्ची नजर आ रही है और वह उसे बहुत प्यार से देख रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में कियारा भी साथ हैं और बेटी सो रही है। फोटो में पीछे दीवार पर एक बच्चे की पेंटिंग भी नजर आ रही है। इन तस्वीरों को देखकर ऐसा लग रहा है जैसे कपल अपनी बच्ची के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहा हो। दरअस, ये तस्वीरें सिद्धार्थ के एक फैन क्लब ने शेयर की हैं, जिसमें कैप्शन में लिखा गया डैडी मल्होत्रा। तस्वीरों के आते ही सोशल मीडिया पर लोग सवाल करने लगे दृ क्या वाकई यह सिद्धार्थ और कियारा की बेटी की तस्वीर है? कई लोग इसे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बनी तस्वीर बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे रियल मानकर दोनों को बधाई भी दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ये एआई है या रियल? तो किसी ने कहा, फेक लग रही है फोटो! वहीं कुछ फैंस ने लिखा, अगर रियल है तो बहुत क्यूट है बेबी गर्ल। बता दें, सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने 15 जुलाई 2025 को एक प्यारी सी बेटी का स्वागत किया है, जो अब करीब डेढ़ महीने की हो गई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर के साथ फिल्म परम सुंदरी में नजर आ रहे हैं। फिल्म को मिक्स रिव्यू मिला है, लेकिन इसने बॉक्स ऑफिस पर 27.5 करोड़ की कमाई कर ली है।

लालबागचा राजा पहुंचीं शिल्पा शेट्टी, चमकती साड़ी में खिलखिलाते हुए बप्पा के चरणों में हुईं नतमस्तक

शिल्पा शेट्टी की भगवान में बेहद आस्था है। वह हर त्योहार को धूम धाम से मनाती है फिर चाहे वह नवरात्रि हो या गणेश चतुर्थी। शिल्पा हर साल बप्पा का धूमधाम से स्वागत करती हैं हालांकि इस साल ऐसा नहीं हो सका। वहीं शिल्पा हर साल गणपति उत्सव के दौरान लालबागचा राजा के दर्शन भी जरूर करती हैं। इसी बीच, आज (2 सितंबर) शिल्पा शेट्टी मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा के दर्शन के लिए पहुंची और बप्पा का आशीर्वाद लिया। शिल्पा शेट्टी की कुछ तस्वीरें सामने आईं हैं जिसमें शिल्पा शेट्टी को ट्रेडिशनल लुक में देखा जा सकता है। उन्होंने मल्टी–कलर्ड साड़ी और डिजाइनर ब्लाउज पहनकर अपना त्योहारी लुक पूरा किया। पंडाल में भारी भीड़ के बीच शिल्पा लालबागचा राजा का आशीर्वाद लेती नजर आईं। उनके साथ उनकी सबसे अच्छी दोस्त अकांक्षा मल्होत्रा भी थीं जो पीले रंग की ड्रेस में दिखाई दीं। शिल्पा शेट्टी ने अपने परिवार और प्रियजनों की खुशहाली और समृद्धि के लिए बप्पा से प्रार्थना की। प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो शिल्पा शेट्टी कन्नड़ फिल्म केडी द डेविल में नजर आएंगी जिसमें ध्रुव सरजा, संजय दत्त, रमेश अरविंद, नोरा फतेही और अन्य स्टार्स मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 4 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। और अपडेट्स के लिए बने रहें।

घर में है शादी तो अभी निपटा लें शॉपिंग, श्राद्ध में खरीदारी करने से नाराज हो सकते हैं पितर

क्या आपके घर में शादी है या फिर आप कोई शुभ कार्य करवाने की सोच रहे हैं तो अभी से इसकी तैयारी कर लें। क्योंकि पितृपक्ष में नए सामान या शॉपिंग करने की मनाही है। वास्तु शास्त्र के अनुसार पितृ पक्ष में कोई भी नया काम करना शुभ नहीं होता है। इस दौरान विवाह, सगाई, मुंडन, उपनयन संस्कार आदि जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं

पितृपक्षः श्राद्ध क्या है?

हर साल भाद्रपद पूर्णिमा से लेकर आश्विन अमावस्या तक 15 दिन का समय पितृपक्ष कहलाता है। इस दौरान लोग अपने पितरों (पूर्वजों)का श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। माना जाता है कि इन दिनों पितरों की आत्माएं धरती पर आती हैं और अपने वंशजों का आशीर्वाद देती हैं।

पितृपक्ष में शादी की खरीदारी क्यों वर्जित मानी जाती है?

यह अवधि पूरी तरह पितरों के लिए होती है, न कि भोग–विलास और नई चीजों के लिए। धर्मग्रंथों में कहा गया है कि इस दौरान नए कपड़े, गहने या घर की बड़ी खरीदारी करने से पितर नाराज हो सकते हैं, क्योंकि यह समय शोक और तर्पण का होता है। ज्योतिष के अनुसार इन दिनों ग्रहों की स्थिति शुभ कार्यों के लिए अनुकूल नहीं रहती। इस दौरान शादी तय करना, गृह प्रवेश, वाहन या प्रॉपर्टी खरीदना वर्जित माना गया है।

इन दिनों क्या कर सकते हैं?

इन दिनों तर्पण, श्राद्ध और दान–पुण्य किया जाता है। माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान मृत पूर्वजों की आत्माएं मृत्युलोक में भटकती रहती हैं. इसलिए उनकी आत्मा की शांति के लिए पिंडदान, दान और तर्पण करना चाहिए। लेकिन इस दौरान नई चीजें नहीं खरीदनी चाहिए। इस दौरान पितरों के नाम से ब्राह्मण भोजन जरूर करवाना चाहिए।

झाड़ू घर गंदा कर रहा है तो अब नहीं, इन 4 वायरल हैक्स से चमकाएं फ्लोर

क्या कभी ऐसा हुआ है कि आप झाड़ू से घर की साफ–सफाई करने गए और इससे घर और भी गंदा हो गया। जिस कारण काम और भी बढ़ जाता है। यह समस्या सिर्फ नई झाड़ू में नहीं बल्कि पुरानी के साथ भी होता है। क्योंकि जब महीनों तक एक ही झाड़ू का इस्तेमाल करते हैं, तो उसमें बाल, गंदगी, धूल और ना जाने क्या–क्या फंस जाता है। इससे सफाई करने पर घर और भी अधिक गंदा हो जाता है। अगर आपका झाड़ू भी घर की सफाई करने की बजाय और गंदा कर देता है, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप झाड़ू की गंदगी को साफ कर सकते हैं। इन नुस्खों को अपनाने से घर की सफाई करने से घर भी गंदा नहीं होगा।

नमक के पानी से साफ करें

इस हैक के लिए सबसे पहले एक बाल्टी में गुनगुना पानी लें। फिर पानी में 4–5 चम्मच सफेद नमक डालें। इस घोल में गंदे झाड़ू को 15 मिनट के लिए रेशों वाले हिस्से को भिगोकर छोड़ दें। फिर झाड़ू को निकालकर निचोड़ लें और धूप में सूखने के लिए रख दें। सुखाने के बाद इस झाड़ू को झाड़ने से सारी धूल निकल जाएगी।

नारियल तेल

सबसे पहले झाड़ू को नल के नीचे रखकर पानी की सहायता से साफ कर लें। इसके बाद नारियल तेल को झाड़ू के रेशों पर लगाकर हल्के हाथों से फैला लें। नारियल तेल की चिकनाई से झाड़ू पर जमी गंदगी आसानी से निकल जाएगी। वहीं नई झाड़ू पर भी नारियल तेल हमेशा लगाना चाहिए।

पुरानी कंघी से दूर होगी गंदगी

अगर झाड़ू से अधिक गंदगी निकल रही है, तो बालों वाले एक पुराने कंघे की सहायता से साफ करें। इसके रेशों को बालों की तरह कंघी करें। इससे कंघी में फंस कर झाड़ू की धूल, गंदगी और मिट्टी आसानी से बाहर निकल जाएगी।

डिटर्जेंट और पानी से करें साफ

झाड़ू अगर काफी पुरानी हो चुकी है और उस पर मिट्टी की लेयर दिखने लगी है। तो उसको साफ करने के लिए डिटर्जेंट और गुनगुने पानी का एक घोल तैयार करें। इसमें झाड़ू के रेशे वाले हिस्से को करीब 10 मिनट तक भिगोएं। इसके बाद पानी से साफ करके झाड़ू को सुखा लें। इस तरह से झाड़ू पर लगी गंदगी साफ हो जाएगी।

21 दिन खाना छोड़ दें गेहूं, शरीर में दिखेंगे ये जबदस्त फायदे, कई बीमारियां दूर होगी

भारत के हर घर में लगभग गेंहू के आटे की ही रोटी बनती हैं और सालों से लोग इसी अनाज की रोटी खाते आ रहे हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि शरीर के लिए उतनी लाभकारी नहीं जितना अभी तक लोग इसे समझ रहे हैं। गेहूं भले ही पौष्टिक गुणों से भरपूर होता है लेकिन इसे खाने से ब्लड शुगर का लेवल भी तेजी से बढ़ता है। इसके आटे की रोची जल्दी नहीं पचती इसलिए कई लोगों का डाइजेशन इससे बिगड़ जाता है। वहीं जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उनकों भी गेंहू का आटा नहीं खाना चाहिए क्योंकि इस आटे में बहुत कैलोरी होती है। अगर हैल्थ एक्सपर्ट की मानें तो अगर आप 21 दिन गेहूं खाना छोड़ दें तो वे एक नहीं कई तरह की बीमारियों से दूर हो सकते हैं। चलिए इस बारे में आपको थोड़ा विस्तार से बताते हैं।

क्यों नहीं खानी चाहिए गेहूं की रोटी?

एक्सपर्ट के मुताबिक, डाइट में सबसे जरूरी होता है अनाज जैसे जो, बाजरा, रागी और गेहूं आदि लेकिन इसमें सबसे हानिकारक अनाज गेहूं माना जाता है। अगर सिर्फ 21 दिनों तक गेहूं न खाएं तो पूरे शरीर में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते है। इसमें लोगों को इंफ्लेमेशन यानि शरीर में सूजन की समस्या होती है। यहां तक की कुछ लोग इस बात से भी अनजान रहते हैं कि उन्हें वीट एलर्जी है जिस वजह से उन्हें आगे चलकर समस्या होती है। गेहूं ग्लूटेन से भरपूर होता है। ऐसे लोगों को पेट में, चेहरे पर और फिर हाथों–पैरों में सूजन होती है। उन्हें गैस की समस्या हो सकती है और पूरे दिन बॉडी में थकान हो सकती है।

गेहूं की जगह पर क्या खाया जाए?

गेहूं की जगह मोटे अनाज की रोटियां खा सकते हैं जैसे, बेसन, रागी या बाजरा खा सकते हैं। इन्हें खाने से आप काफी बेहतर हैल्थ महसूस करेंगे। मोटा अनाज शरीर को कई प्रकार के अलग–अलग न्यूट्रिएंट्स देता है, वहीं गर्मियों में ज्वार के आटे की रोटी खानी चाहिए और सर्दी में हमें बाजरे की आटे की रोटी खानी चाहिए। अगर आप 21 दिन तक गेहूं की रोटी खाना बंद कर देते हैं तो शरीर में कुछ सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार गेहूं छोड़ने से ...

1. ब्लड शुगर कंट्रोल रहेगाः गेहूं का आटा जल्दी ब्लड शुगर स्पाइक करता है। इसे छोड़ने पर शुगर लेवल संतुलित रहेगा, खासकर डायबिटीज पेशेंट्स के लिए फायदेमंद।

2. पाचन बेहतर होगाः गेहूं की रोटी धीरे पचती है और गैस, एसिडिटी जैसी दिक्कतें दे सकती है। मोटे अनाज (जैसे रागी, बाजरा, ज्वार) खाने से पाचन दुरुस्त होगा।

3. सूजन कम होगीः गेहूं में ग्लूटेन होता है जो कई बार शरीर में इंफ्लेमेशन और एलर्जी का कारण बनता है। गेहूं छोड़ने पर शरीर की सूजन कम हो सकती है।

4. थकान और भारीपन कम होगाः गेहूं खाने से कई लोगों को सुस्ती और थकान महसूस होती है। 21 दिन बाद एनर्जी लेवल बेहतर महसूस हो सकता है।

5. फिटनेस और इम्युनिटी में सुधारः मोटे अनाज विटामिन, मिनरल और फाइबर से भरपूर होते हैं। ये इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं और फिटनेस बेहतर बनाते हैं।

नोटः 21 दिन गेहूं छोड़ने से ब्लड शुगर कंट्रोल, पाचन सुधार, सूजन कम, एनर्जी लेवल हाई और फिटनेस बेहतर हो सकती है। डॉक्टर की मानें तो इसके बाद शरीर में फर्क साफ दिखने लगता है। फिर भी कोई भी डाइट बदलाव करने से पहले डॉक्टरी व एक्सपर्ट सलाह जरूर लें।

फूड प्रोसेसर से जुड़े ये हैक्स आएंगे आपके बेहद काम

हम सभी अपनी किचन में कुकिंग के काम को आसान बनाने के लिए कई तरह के इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल करते हैं और इन्हीं में से एक है फूड प्रोसेसर। यह एक ऐसा इक्विपमेंट है, जो किचन के लगभग हर काम को आसानी से पूरा कर सकता है। जबकि हम इसे बस टमाटर की प्यूरी बनाने या फिर चटनी बनाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर आप चाहें तो इसकी मदद से मिनटों में रोटी या पिज्जा का आटा गूंध सकती हैं या फिर डोसा और चीला के बैटर को तैयार कर सकती हैं।

फूड प्रोसेसर बहुत अधिक वर्सेटाइल है, जो सलाद के लिए सब्ज़ियां कद्दूकस करने से लेकर ड्रिंक के लिए बर्फ क्रश करने तक कई कामों को बेहद ही आसान व क्विक बना सकता है। अगर आप इसे स्मार्ट तरीके से इस्तेमाल करना सीख जाएं तो इसकी मदद से किचन के लगभग हर काम को आसानी से किया जा सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपके फूड प्रोसेसर से जुड़े कुछ अमेजिंग हैक्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपके भी बेहद काम आ सकते हैं–

रोटियों और पिज्जा के लिए गूंथे आटा

अक्सर आटा गूंथते समय हाथों में एक चिपचिपापन आ जाता है, जो किसी को भी अच्छा नहीं लगता है। ऐसे में फूड प्रोसेसर का इस्तेमाल करें। इसके लिए प्रोसेसर में बस आटा, नमक, तेल और पानी डालकर 2–3 मिनट ब्लिट्ज करो। बस आपका आटा बनकर तैयार हो गया है। रोटियों, पराठों, पिज्जा बेस या ब्रेड के लिए यह एक परफेक्ट ऑप्शन है। दरअसल, प्रोसेसर पानी को बराबर बांटता है और इसमें समय भी कम लगता है।

इंस्टेंट तैयार करें मिठाई

घर पर मिठाई बनाना हम सभी को काफी झंझट भरा काम लगता है, लेकिन अगर आप इस मुश्किल काम को आसान बनाना चाहती हैं तो ऐसे में फूड प्रोसेसर की मदद लें। इसकी मदद से आप इंस्टेंट लड्डू बना सकती हैं। बस आप खजूर, अंजीर, बादाम, काजू और थोड़ा शहद डालकर ब्लिट्ज करो और बॉल्स बना लो। वहीं, बिस्किट और बटर की मदद से चीज़केक बेस या पाई क्रस्ट भी तैयार किया जा सकता है। फूड प्रोसेसर का इस्तेमाल करने का एक फायदा यह भी है कि प्रोसेसर चिपचिपे और सूखे आइटम को बराबर पीस देता है, जिससे शुगर की ज़रूरत कम महसूस होती है।

सब्ज़ियों को सेकंड में काटें

आप अपनी कुकिंग के दौरान सब्जियों को चाहे किसी भी तरह काटना चाहती हों, फूड प्रोसेसर आपके बेहद काम आ सकता है। फिर चाहे सलाद के लिए पत्ता गोभी, हलवे के लिए गाजर या कोफ्ते के लिए लौकी काटनी हो, श्रेडिंग ब्लेड जैसे जादू करता है। इसकी मदद से आपका मिनटों का काम सेकंड्स में पूरा हो जाता है।

भारत के इन फेमस हिल स्टेशन पर होगा सुकून का एहसास, पार्टनर के साथ बिता सकेंगे हसीन पल

ट्रिप प्लान करने वाले लोग भीड़ से दूर किसी शांत माहौल की तलाश में रहते हैं। जिससे कि वह शहर की भीड़–भाड़ और प्रदूषण से राहत मिल सके। ऐसे में अगर आप भी ऐसे हिल स्टेशन की तलाश में हैं जहां पर भीड़ और ट्रैफिक कम हो और सुकून व शांति ज्यादा हो।

सर्दी हो या गर्मी पहाड़ों पर पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। लोग ट्रैफिक से बचने और सुकून की तलाश में पहाड़ों का रुख करते हैं। लेकिन अब पहाड़ों का हाल भी शहरों जैसा हो गया है। कई बार को इतना लंबा जाम लग जाता है कि लोग 5–6 घंटे तक इस जाम में फंसे रहते हैं। वहीं ट्रिप प्लान करने वाले लोग भीड़ से दूर किसी शांत माहौल की तलाश में रहते हैं। जिससे कि वह शहर की भीड़–भाड़ और प्रदूषण से राहत मिल सके। ऐसे में अगर आप भी ऐसे हिल स्टेशन की तलाश में हैं जहां पर भीड़ और ट्रैफिक कम हो और सुकून व शांति ज्यादा हो। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसे हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर पूरे साल कम भीड़ रहती है।

कोटागिरी

अगर आप भी ऊटी नहीं जाना चाहते हैं। तो आप कोटागिरी घूमने के लिए जा सकते हैं। यह एक शांत और हरे–भरे वातावरण वाली जगह है। इस जगह की खासियत है कि आपको यहां पर घंटों जाम में नहीं फंसना होगा। आप आराम से लंबे सफर का आनंद उठा सकते हैं। अगर आप दिल्ली से ट्रिप प्लान कर रही हैं, तो आपको पहले ट्रेन लेनी होगी। वहीं यहां पर पहुंचने के बाद आप स्कूटी या फिर बाइक लेकर रेंट पर घूम सकते हैं।

सिक्किम

अगर आप किसी ऐसी जगह पर जाना चाहते हैं, जहां पर आपको कम से कम भीड़ मिले तो सिक्किम आपके लिए बेस्ट जगह साबित हो सकती है। सिक्किम घूमने के लिहाज से काफी बेहतरीन जगह है, लेकिन यहां पर जाने से पहले आप मौसम की जानकारी जरूर करें। क्योंकि मानसून में बारिश के कारण आपको यहां पर घूमने में दिक्कत हो सकती है। यह एक खूबसूरत पहाड़ी जगह है, जहां पर घूमना थोड़ा सा महंगा हो सकता है, लेकिन आपको यहां पर सुकून की कमी नहीं होगी।

खंडाला घाटी

महाराष्ट्र के खंडाला में भी आप बजट में घूम सकते हैं। खंडाला घाटी की सबसे अच्छी बात यह है कि यहां पर आपको नैनीताल या मसूरी जैसी ट्रैफिक या भीड़ की परेशानी नहीं होगी। ऐसे में जो लोग बजट में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह जगह उनके लिए जन्नत से कम नहीं है। यहां का रास्ता खूबसूरत है और रोड ट्रिप भी मजेदार है। आप यहां पर किसी भी मौसम में आ सकती है।

संक्षिप्त

जीएसटी परिषद की बैठक : आम आदमी को राहत! 2 स्लैब में बदल सकती है कर व्यवस्था

जीएसटी परिषद की दो दिवसीय बैठक शुरू हो गई है। केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में अपने महत्वाकांक्षी सुधार के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर 5 प्रतिशत कर लगाने पर जोर दे सकती है। इस सुधार का उद्देश्य मक्खन से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक, दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर की दरें कम करना है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में और राज्यों के वित्त मंत्रियों की भागीदारी वाली यह परिषद इस सत्र के दौरान इस प्रस्ताव पर विचार–विमर्श करेगी। 4 सितंबर को बैठक के समापन पर अंतिम निर्णय की घोषणा होने की उम्मीद है। केंद्र का प्रस्ताव जीएसटी को सरल बनाने के लिए मौजूदा 12 और 28 प्रतिशत की स्लैब से उत्पादों को हटाकर केवल दो कर दरें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत करने का है। इसके अलावा, विलासिता और अवगुण वस्तुओं के लिए 40 प्रतिशत की विशेष दर का सुझाव दिया गया है। इस कदम से कई आवश्यक वस्तुओं की कीमतें कम होने की उम्मीद है, हालाँकि विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्य किसी भी राजस्व हानि के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं। जीएसटी परिषद की बैठक में केंद्र और राज्य के वित्त मंत्री जीएसटी सुधारों के एक ही एजेंडे पर चर्चा के लिए एकत्रित हुए, जिसमें दरों को युक्तिसंगत बनाना, सरल अनुपालन और संभावित नए मुआवज़ा तंत्र शामिल हैं। परिषद की बैठक से पहले जमीनी स्तर पर तैयारी के लिए मंगलवार को अधिकारियों की एक बैठक हुई। 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की वर्तमान चार–स्तरीय जीएसटी संरचना 1 जुलाई, 2017 को लागू की गई थी, जिसने उत्पाद शुल्क और वैट जैसे कई राज्य और केंद्रीय करों की जगह ली थी। राज्यों को राजस्व की कमी को पूरा करने में मदद के लिए एक क्षतिपूर्ति उपकर भी शुरू किया गया था। हालाँकि, यह व्यवस्था जून 2022 में समाप्त हो गई। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी सुधार योजना की घोषणा की। बाद में, केंद्र ने मंत्रियों के एक समूह (जीओएम) के साथ एक खाका साझा किया, जिसने अनुपालन को आसान बनाने और उपभोक्ता कीमतों को कम करने के लिए 12 और 28 प्रतिशत की कर दरों को हटाने का व्यापक रूप से समर्थन किया।

साइबर सेंधमारी के कारण जगुआर लैंड रोवर का उत्पादन और खुदरा परिचालन हुआ बाधित

टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर ने मंगलवार को बताया कि साइबर सेंधमारी के कारण कंपनी की खुदरा और उत्पादन गतिविधियों में व्यवधान उत्पन्न हुआ। ब्रिटिश ब्रांड जगुआर लैंड रोवर ने एक बयान में बताया कि इस साइबर घटना से कंपनी प्रभावित हुई है। वाहन निर्माता ने एक बयान में बताया, "हमने अपने सिस्टम को बंद कर इसके प्रभाव को कम करने के लिए तत्काल कार्रवाई की। अब हम अपने वैश्विक ऐप्लीकेशन को नियंत्रित तरीके से पुनः शुरू करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं।" बयान के मुताबिक, फिलहाल इस बात का कोई सबूत नहीं है कि किसी ग्राहक का डेटा चोरी हुआ या नहीं, लेकिन खुदरा और उत्पादन गतिविधियां बुरी तरह बाधित हुई हैं।

रुपया पांच पैसे टूटकर 88.15 प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी से अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपये पर दबाव बना रहा और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे गिरकर 88.15 के सर्वकालिकनिचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अमेरिका के बढ़े हुए शुल्क को लेकर फैली अनिश्चितता के बीच रुपया अबतक के सबसे निचले स्तर के आसपास कारोबार कर रहा है और इसके नीचे जाने का जोखिम बना हुआ है। इसके अलावा, घरेलू शेयर बाजारों से लगातार विदेशी पूंजी की निकासी या डॉलर की मजबूती आगे भी रुपये की कमजोरी को बढ़ा सकती है। सोमवार को कारोबार के दौरान रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 88.33 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया था। अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.14 पर कमजोर खुला और कारोबार के दौरान 88.20 के निचले स्तर तक गया। कारोबार के अंत में यह 88.15 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट है। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.10 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''रुपये ने अपनी अधिकांश दिन के कारोबार में हुई बढ़त को गंवा दिया। ऐसा जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और आयातित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण हुआ। बाजार में आयातकों की ओर से डॉलर की भारी मांग देखी गई, जबकि विदेशी पूंजी की निकासी के बीच मुद्रा की आपूर्ति सीमित रही।'' दुनिया की छह प्रतिस्पर्धी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला, डॉलर सूचकांक 0.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 98.38 पर जा पहुंचा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 1.80 प्रतिशत बढ़कर 69.38 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक (मुद्रा एवं जिंस) अनुज चौधरी ने कहा, ''हमारा अनुमान है कि रुपया थोड़ा नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करेगा क्योंकि व्यापार शुल्क को लेकर अनिश्चितता और कमजोर घरेलू बाजार स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाल सकते हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ सकता है।'' मुद्रा कारोबारी अमेरिका के विनिर्माण पीएमआई आंकड़ों से संकेत ले सकते हैं। चौधरी ने कहा कि इस हफ्ते अमेरिका से आने वाली गैर–कृषि पेरोल रिपोर्ट से पहले निवेशक सतर्क रह सकते हैं। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 206.61 अंक गिरकर 80,157.88 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 45.45 अंक गिरकर 24,579.60 अंक पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे।

पहले वनडे में इंग्लैंड की करारी हार, 131 रन पर सिमटी पारी; द.अफ्रीका 175 गेंद शेष रहते जीता

लीड्स। दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में जोरदार जीत दर्ज की। मेजबान इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए लीड्स के हेडिंग्ले में सिर्फ 131 रन पर सिमट गई और दक्षिण अफ्रीका ने यह लक्ष्य बेहद आसानी से हासिल कर लिया। कप्तान एडेन मार्करम की तूफानी पारी ने मैच को एकतरफा बना दिया। इससे पहले वियान मुल्डर और केशव महाराज की घातक गेंदबाजी ने इंग्लैंड को बड़ा स्कोर बनाने से रोका था। महाराज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे सीरीज का शानदार आगाज किया है और 1–0 की बढ़त बना ली है। अगला मुकाबला चार सितंबर को लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा।

इंग्लैंड की पारी– 131 पर ढेर

इंग्लैंड की शुरुआत से ही विकेट गिरते रहे और टीम कभी मैच में टिक नहीं पाई। विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने सबसे ज्यादा 54 रन (48 गेंद, 10 चौके) बनाए। उनके अलावा जो रूट ने 14, जोस बटलर ने 15 और जैकब बेथेल ने 13 रन का योगदान दिया। बाकी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके और पूरी टीम सिर्फ 24.3 ओवर में 131 रन पर सिमट गई। कप्तान हैरी ब्रूक 12 रन, विल जैक्स सात रन और बेन डकेट पांच रन ही बना सके। स्मिथ को डकेट के साथ ओपनिंग भेजा गया था।गेंदबाजी की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 5.3 ओवर में 22 रन देकर चार विकेट चटकाए। वियान मुल्डर ने तीन विकेट लिए और सिर्फ 33 रन दिए। लुंगी एनगिडी और नांद्र बर्गर ने भी एक–एक विकेट हासिल किया। इंग्लैंड के बल्लेबाज महाराज की स्पिन और मुल्डर की सटीक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने आक्रामक बल्लेबाजी की। कप्तान एडेन मार्करम ने 55 गेंदों में 86 रन ठोक डाले, जिसमें 13 चौके और दो छक्के शामिल थे। उनके साथ विकेटकीपर रेयन रिकेल्टन ने 59 गेंदों पर नाबाद 31 रन बनाए और पारी संभाली। तेम्बा बावुमा सिर्फ छह रन बना सके, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स खाता नहीं खोल सके। डेवाल्ड ब्रेविस ने दो गेंदों में नाबाद छह रन बनाकर रिकल्टन के साथ मैच खत्म कर दिया। दक्षिण अफ्रीका ने 20.5 ओवर में 137/3 बनाकर सात विकेट से जीत दर्ज की। इंग्लैंड की ओर से आदिल रशीद ने तीन विकेट लिए।

खास आंकड़े और रिकॉर्ड

यह मुकाबला कई यादगार आंकड़ों का गवाह बना। इंग्लैंड के 131 रन का स्कोर घरेलू सरजमीं पर सबसे कम स्कोरों की सूची में शामिल हो गया। इससे कम स्कोर उन्होंने 2001 में मैनचेस्टर में ऑस्ट्रेलिया (86 रन), 1975 में लीड्स में ऑस्ट्रेलिया (93 रन) और 2001 में श्रीलंका (99 रन) के खिलाफ बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका ने लीड्स में इंग्लैंड को सिर्फ 24.3 ओवर में ऑलआउट कर दिया। यह किसी भी टीम को अवे मैच में ढेर करने का उनका सबसे तेज रिकॉर्ड है। इससे पहले 1996 में नैरोबी में उन्होंने केन्या को 25.1 ओवर में, 2011 में मीरपुर में बांग्लादेश को 28 ओवर में और 2022 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड को 28.1 ओवर में ऑलआउट किया था।

इंग्लैंड का 131 रन पर सिमटना उनके घरेलू मैदान पर सातवां सबसे कम वनडे स्कोर है। इससे पहले उन्होंने 2001 में मैनचेस्टर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 86 रन बनाए थे।

यह मैच गेंदों के लिहाज से इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा सबसे छोटा मुकाबला रहा। महज 272 गेंदों में पूरा मैच समाप्त हो गया, जबकि 2008 में नॉटिंघम में 223 गेंदों में नतीजा निकला था।

दक्षिण अफ्रीका ने 175 गेंद शेष रहते जीत हासिल की। यह इंग्लैंड के खिलाफ उनका दूसरा सबसे बड़ा मार्जिन है। 2007 वर्ल्ड कप में उन्होंने बारबाडोस में 184 गेंद शेष रहते इंग्लैंड को हराया था।

इंग्लैंड के नए गेंदबाज सॉनी बेकर के लिए यह डेब्यू भूलने लायक रहा। उन्होंने सात ओवर में 76 रन लुटा दिए, जो किसी भी इंग्लिश गेंदबाज का वनडे डेब्यू पर सबसे महंगा स्पेल है। इससे पहले यह रिकॉर्ड लियाम डॉसन के नाम था, जिन्होंने 2016 में पाकिस्तान के खिलाफ 70 रन दिए थे।

'मेडिकल सब्स्टीट्यूट मिले, नई गेंद कभी भी मिले', टेस्ट को रोमांचक बनाने के लिए कुक–वॉन के सुझाव

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने टेस्ट क्रिकेट के नियमों में बदलाव की मांग करते हुए सुझाव दिया है कि टीमों को 160 ओवरों के भीतर किसी भी समय नई गेंद लेने का विकल्प मिलना चाहिए। मौजूदा नियम के तहत नई गेंद केवल 80 ओवर पूरे होने के बाद ही ली जा सकती है। वहीं, इंग्लैंड के एक और पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने फिर से टेस्ट क्रिकेट में आपातकाल स्थिति में मेडिकल सब्स्टीट्यूट की बात कही है। कुक और वॉन दोनों के इन सुझावों ने एक बार फिर बहस छेड़ दी है कि क्या टेस्ट क्रिकेट को आधुनिक समय के अनुरूप और रोमांचक बनाने के लिए मौजूदा नियमों में बदलाव की जरूरत है।

नई गेंद के नियम में बदलाव से रोमांच बढ़ेगा

कुक, जिन्होंने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था, का मानना है कि यह बदलाव खेल को और अधिक रोमांचक तथा रणनीतिक बना सकता है। उन्होंने 'स्टिक टू क्रिकेट' पॉडकास्ट पर कहा, मैं टेस्ट क्रिकेट में एक नया नियम जोड़ना चाहूंगा। आप 160 ओवरों में जब चाहें नई गेंद ले सकते हैं। आपको उन 160 ओवरों के लिए दो नई गेंदें मिली हैं और आप जब चाहें दूसरी गेंद ले सकते हैं। आप चाहें तो 30 ओवर के बाद नई गेंद ले सकते हैं।

कुक का यह सुझाव इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में गेंद की स्थिति का खेल के नतीजे पर गहरा असर पड़ता है। नई गेंद आम तौर पर तेज गेंदबाजों को मदद देती है, जबकि पुरानी गेंद से स्पिनरों को फायदा होता है। ऐसे में टीमों को अपनी रणनीति के अनुसार नई गेंद लेने की छूट मिलने पर मुकाबले और ज्यादा दिलचस्प हो सकते हैं। इसी पॉडकास्ट में इंग्लैंड के एक और पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी क्रिकेट के नियमों में बदलाव की जरूरत जताई। वॉन ने कहा कि अन्य खेलों की तरह क्रिकेट में भी चोटिल खिलाड़ी की जगह सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी को उतारने का प्रावधान होना चाहिए।

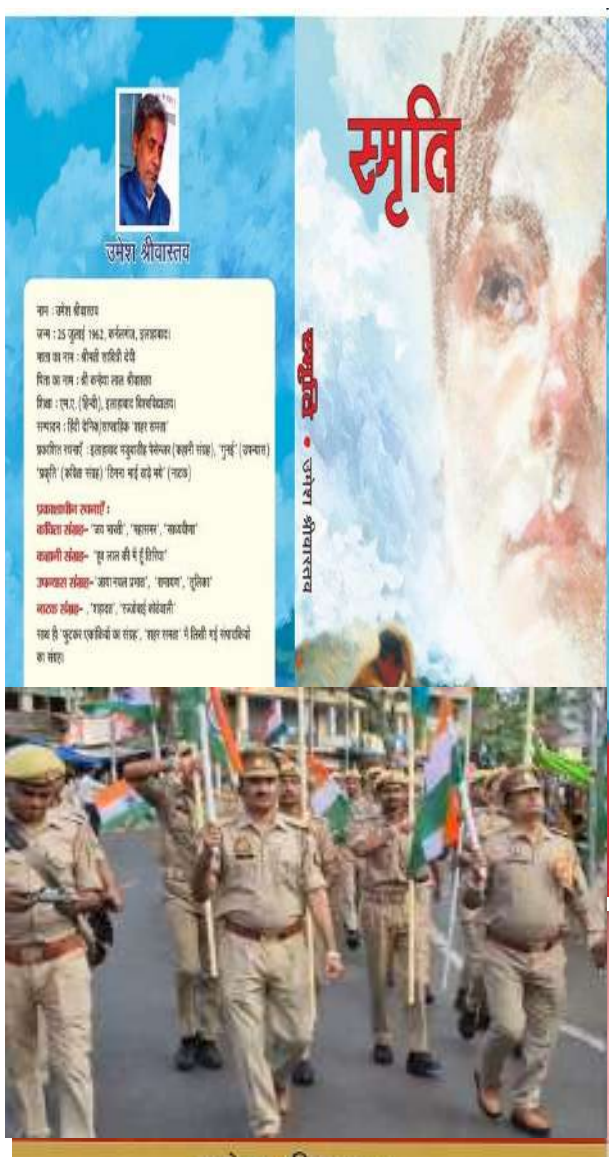

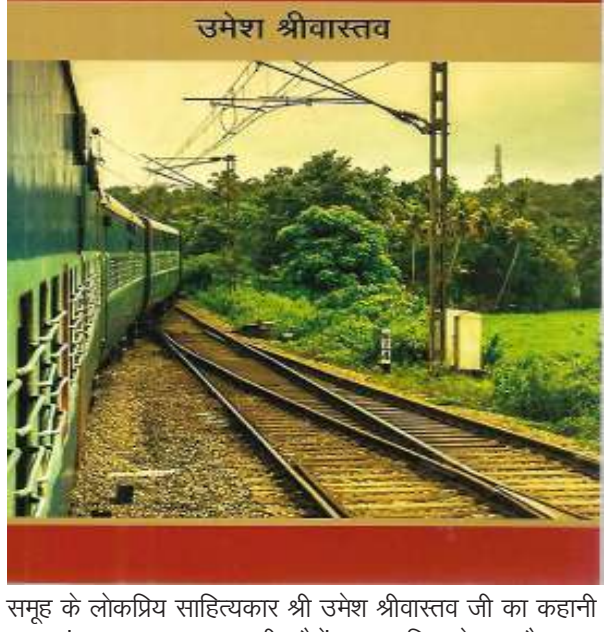

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

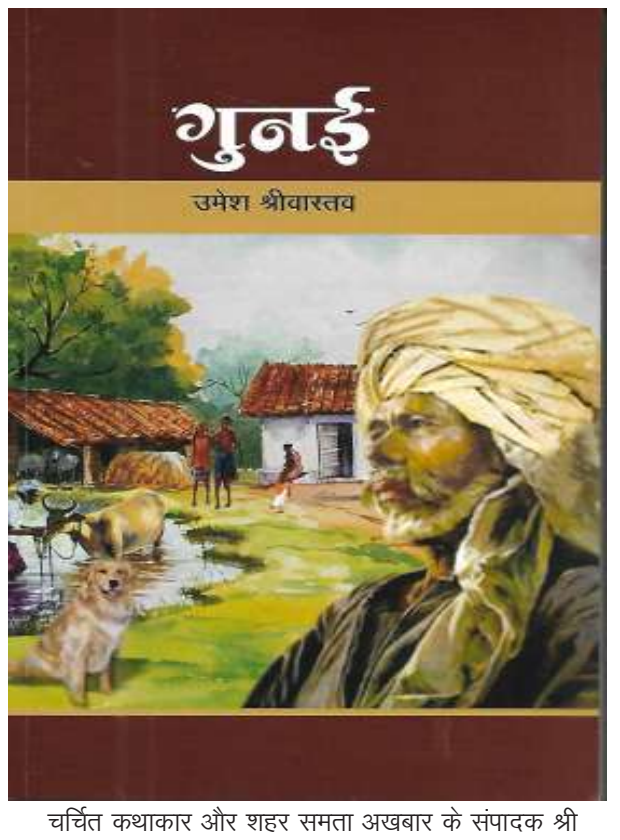

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

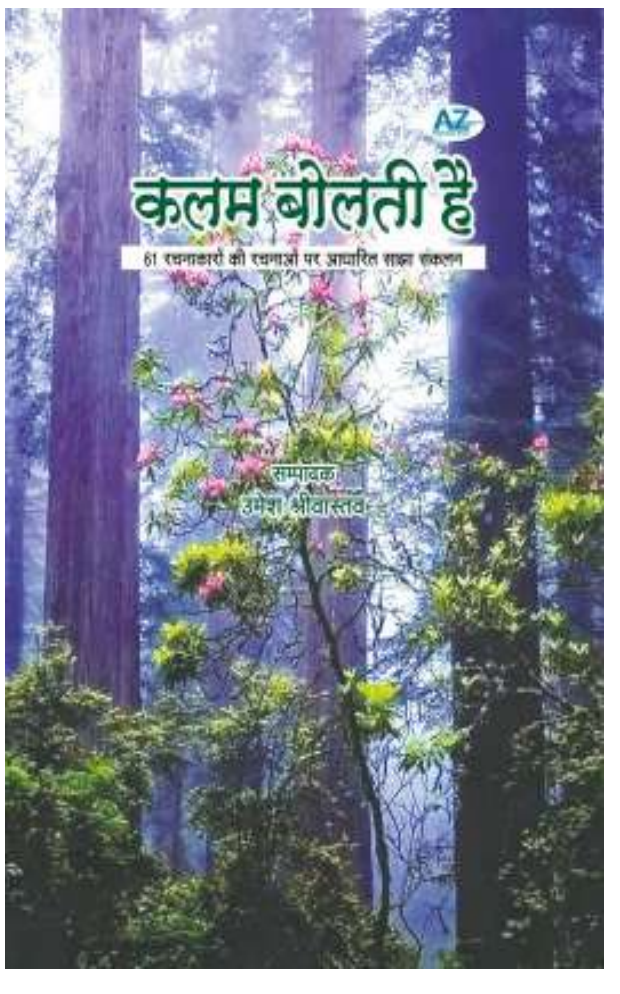

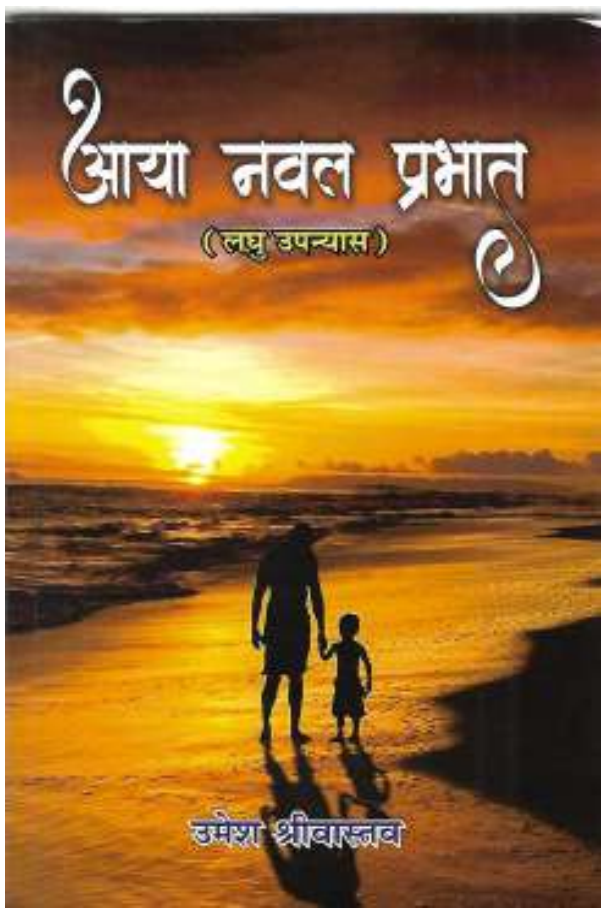

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप के अहंकार को भारत के साथ रणनीतिक संबंधों को नष्ट करने की अनुमति नहीं दी जा सकती : अमेरिकी सांसद

अमेरिका के एक सांसद और दो पूर्व शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उठाये कदम भारत के साथ साझेदारी को नष्ट कर रहे हैं। उन्होंने आगाह किया कि अमेरिका के शीर्ष नेता के ''अहंकार'' को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के साथ रणनीतिक संबंध को नष्ट करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। भारतीय मूल के अमेरिकी कांग्रेसी रो खन्ना ने कहा कि वह अमेरिका और भारत की साझेदारी को 'नष्ट' करने के लिए ट्रंप द्वारा किए जा रहे कार्यों से हक्के–बक्के हैं। रो खन्ना 'यूएस–इंडिया कॉकस' के सह–अध्यक्ष भी हैं। खन्ना ने ट्रंप पर अमेरिका–भारत गठबंधन को मजबूत करने के लिए 30 वर्षों के कार्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया, जिसमें रूस से तेल की खरीद पर 25 फीसदी सहित भारतीय वस्तुओं पर 50 फीसदी 'टैरिफ' लगाना शामिल है। खन्ना ने कहा कि ट्रंप की नीतियां ''भारत को चीन और रूस के नजदीक ले जा रही हैं'', जो अमेरिका के लिए एक रणनीतिक झटका है। खन्ना ने कहा कि भारत पर लगाए गए 'टैरिफ' ब्राजील को छोड़कर किसी भी अन्य देश की तुलना में ज्यादा हैं यहां तक की रूसी ऊर्जा के सबसे बड़ा खरीदार चीन पर लगाए गए 'टैरिफ' से भी अधिक। उन्होंने कहा, "इससे अमेरिका में भारत का चमड़ा व कपड़ा निर्यात प्रभावित हो रहा है और यह अमेरिकी निर्माताओं व भारत में हमारे निर्यात को भी नुकसान पहुंचा रहा है। यह भारत को चीन और रूस के करीब ले जा रहा है।" खन्ना ने इस मुद्दे की मूल वजह बताते हुए कहा कि कारण ''बहुत छोटा'' है।खन्ना ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने से इनकार कर दिया जबकि पाकिस्तान ने ऐसा किया, जिससे दोनों देशों (भारत–अमेरिका) के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए।

भारत–रूस संबंधों का सम्मान, पुतिन से बोले पाक पीएम शहबाज

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से कहा कि इस्लामाबाद नई दिल्ली और मॉस्को के बीच संबंधों का सम्मान करता है और उन्होंने इसे पूरी तरह से अच्छा बताया। उन्होंने यह टिप्पणी बीजिंग में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति पुतिन के साथ एक बैठक के दौरान की। उन्होंने कहा कि मैं पाकिस्तान का समर्थन करने और क्षेत्र में संतुलन बनाने के प्रयासों के लिए आपका धन्यवाद करना चाहता हूँ। मैं जानता हूँ और मुझे कहना भी चाहिए कि हम भारत के साथ आपके संबंधों का सम्मान करते हैं... और यह बिल्कुल ठीक है। और हम बहुत मज़बूत संबंध भी बनाना चाहते हैं... और ये संबंध क्षेत्र की प्रगति और समृद्धि के लिए पूरक और पूरक होंगे। शरीफ ने पुतिन की प्रशंसा करते हुए उन्हें बेहद गतिशील नेता बताया और उनके साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई। दोनों नेता द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की हार की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक प्रमुख चीनी सैन्य परेड में शामिल होंगे। रूस का कच्चा तेल भारत के लिए और भी सस्ता हो गया है क्योंकि मास्को ने 3–4 डॉलर प्रति बैरल तक की अतिरिक्त छूट की पेशकश की है। यह अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी–भरकम टैरिफ लगाने की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद आया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस के यूराल क्रूड को सितंबर के अंत और अक्टूबर में होने वाली शिपमेंट के लिए कम कीमत पर पेश किया जा रहा है। पिछले हफ़्ते यह छूट बढ़ाकर लगभग 2.50 डॉलर प्रति बैरल कर दी गई, जो जुलाई में लगभग 1 डॉलर थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन से इतर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। सोमवार सुबह शिखर सम्मेलन के बाद, दोनों नेता एक ही कार में अपनी द्विपक्षीय बैठक स्थल तक साथ–साथ गए। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यवाही के बाद, राष्ट्रपति पुतिन और मैं अपनी द्विपक्षीय बैठक स्थल तक साथ–साथ गए। उनके साथ बातचीत हमेशा ज्ञानवर्धक होती है।

फ्रांस : चाकू से हमला कर पांच लोगों को घायल करने वाले व्यक्ति को पुलिस ने मार गिराया

दक्षिणी फ्रांस के मार्सिले शहर में चाकू से हमला कर कम से कम पांच लोगों को घायल करने वाले हमलावर को पुलिस ने मार गिराया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय अभियोजक निकोलस बेसोन ने बताया कि फ्रांस में रह रहे एक ट्यूनीशियाई नागरिक ने मंगलवार दोपहर को हमला किया था। बेसोन ने बताया कि वह एक होटल में ठहरा था और किराया नहीं देने के कारण उसे वहां से निकाल दिया गया था। उन्होंने बताया कि आरोपी दो चाकू और एक डंडा लेकर आया और उस कमरे में मौजूद व्यक्ति पर हमला किया, जहां वह पहले ठहरा था। बेसोन ने बताया कि आरोपी ने फिर होटल प्रबंधक पर हमला किया और इसके बाद उसके बेटे की पीठ पर चाकू से वार किया। अभियोजक ने बताया कि पुलिस द्वारा गोली मारे जाने से पहले आरोपी ने पास में खाने–पीने की एक दुकान और सड़कों पर आते–जाते लोगों को घायल करने की कोशिश की तथा उत्पात मचाया। उन्होंने बताया कि जांच अभी शुरुआती चरण में है और हमलावर का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है।

बलूचिस्तान फिर लहूलुहान! आत्मघाती हमले से दहला पाकिस्तान, 14 की गई जान

पाकिस्तान अपनी आंतरिक कलह से काफी ज्यादा परेशान है। जहां एक तरफ सरकार को अपनी सत्ता जाने का डर हर रात सताता रहता है वहीं देश के अंदर जिस तरह लोग बागी बनें हुए है वो भी पाकिस्तान सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ट्रंप ने भले ही आर्ट ऑफ डील लिखी हो, लेकिन आर्ट ऑफ वार तो चीन का 2500 साल पुराना स्टाइल है, ये एक बार फिर दुनिया को बताया

असली रोमांच तो खेल खेलने में है। मैं इस बात की चिंता में ज़्यादा समय नहीं बिताता कि मुझे क्या अलग करना चाहिए था, या आगे क्या होने वाला है। ये बात डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी किताब द आर्ट ऑफ डील में लिखी है। वैसे तो ये किताब 1987 में आई थी। ट्रंप का दावा है कि ये बाईबल के बाद सबसे पवित्र टेक्ट है। यानी जो कुछ द आर्ट ऑफ डील में लिखा है वो शाश्वत सत्य है और वो इस पर आंखें बंद करके भरोसा भी करते हैं और अपने समर्थकों को भी ऐसा करने को कहते हैं। अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर मुल्क है, जाहिर सी बात है कि इसमें कोई दोराय नहीं है। लेकिन अमेरिका की बादशाहत को अब एशियन मुल्क चीन चुनौती देता दिख रहा है। ट्रंप ने भले ही आर्ट ऑफ डील लिखी हो लेकिन आर्ट ऑफ वॉर तो चीनी ने ही लिखी थी और वो भी ढाई हजार साल पहले। ये सून त्जू द्वारा लिखित युद्धशास्त्र, युद्धनीति, युद्ध दर्शन और रणनीति के बारे में लिखी गई एक 13 अध्याय की एक किताब है। ये जंग के साथ साथ दूसरी फील्ड में भी प्रांसगिक मानी जाती है। अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर मुल्क है, जाहिर सी बात है कि इसमें कोई दोराय नहीं है। लेकिन अमेरिका की बादशाहत को अब एशियन मुल्क चीन चुनौती देता दिख रहा है। अपनी बढ़ती कूटनीतिक और सैन्य ताकत का प्रदर्शन करने के लिए अब तक की सबसे बड़ी सैन्य परेड का आयोजन किया। माओ शूट में नजर आए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि दुनिया सद्भाव से चलती है, दादागिरी से नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि चीन किसी से डरने वाला नहीं है। सभी इंसान एक ही ग्रह पर रहते हैं, इसलिए सबको मिल–जुलकर शांति से काम करना चाहिए। उन्होंने पीएलए को एक विश्वस्तरीय सैन्य शक्ति बनने का लक्ष्य निर्धारित करने को कहा। 70 मिनट की इस परेड को देखने के लिए शी जिनपिंग के साथ कम्युनिस्ट पार्टी के कई पदाधिकारी और 20 से ज़्यादा विश्व के नेता शामिल हुए, जिनमें इंडोनेशिया, वियतनाम, मलेशिया, पाकिस्तान, बेलारूस, ईरान, सर्बिया और स्लोवाकिया के नेता शामिल थे। पुतिन की उपस्थिति के कारण यूरोप के ज़्यादातर नेताओं ने निमंत्रण अस्वीकार कर दिया। परेड शुरू होने से पहले, शी जिनपिंग ने किम जोंग–उन, पुतिन और अन्य नेताओं का अभिवादन किया और उत्तर कोरियाई तथा रूसी नेताओं के साथ बातचीत की। इसके बाद उन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों के साथ एक सामूहिक तस्वीर खिंचवाई। इस परेड को व्यापक रूप से चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा अर्थव्यवस्था की चिंताओं और अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच राष्ट्रवादी भावनाओं को एकजुट करने के प्रयास के रूप में देखा गया। इस आयोजन में द्वितीय विश्व युद्ध की यादों और पूर्वी एशिया में जापान के उत्पात को विफल करने में चीन की भूमिका पर जोर दिया गया – हालांकि इसमें पार्टी की भूमिका विवादित बनी हुई है, क्योंकि चीनी राष्ट्रवादी ताकतों ने, जो बाद में ताइवान भाग गईं, टोक्यो की हार में बड़ी भूमिका निभाई थी। फिर भी शी ने बीजिंग को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के एक अग्रणी स्तंभ के रूप में चित्रित करने का प्रयास किया। विशेषज्ञों का कहना है कि शी जिनपिंग के नज़रिए से यह आयोजन संभवतः एक शानदार सफलता रही है। अटलांटिक काउंसिल के सुंग ने कहा शी को पूरा विश्वास है कि स्थिति बदल गई है। अब चीन फिर से नेतृत्व की कुर्सी पर है। उन्होंने कहा कि चीन की वुल्फ वॉर कूटनीति के बजाय ट्रम्पियन एकतरफावाद ही स्पष्ट रूप से अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में अनिश्चितता का प्रमुख स्रोत रहा है। उन्होंने पिछले महीने व्हाइट हाउस में हुई बातचीत की ओर इशारा किया, जहाँ यूरोपीय नेताओं ने ट्रम्प के साथ एक और टकराव की आशंका के चलते अमेरिका की मदद के लिए नहीं, बल्कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की रक्षा के लिए एकजुट हुए थे।

भारत के साथ हमारे रिश्ते बहुत अच्छे हैं, लेकिन...कई सालों से एकतरफा, ट्रंप ने टैरिफ का किया बचाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को भारत की व्यापार नीतियों पर अपना हमला तेज़ कर दिया। उन्होंने नई दिल्ली पर दुनिया के सबसे ज़्यादा टैरिफ़ लगाने का आरोप लगाया और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे आर्थिक संबंधों को एकतरफ़ा बताया। ओवल ऑफिस से बोलते हुए ट्रंप ने कहा, भारत के साथ हमारे रिश्ते बहुत अच्छे हैं, लेकिन कई सालों तक यह एकतरफ़ा रिश्ता रहा। अब, जब से मैं सत्ता में आया हूँ और हमारे पास जो शक्ति है, उसके कारण भारत हमसे बहुत ज़्यादा टैरिफ़ वसूल रहा है, जो दुनिया में लगभग सबसे ज़्यादा है। इसलिए हम भारत के साथ ज़्यादा व्यापार नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन वे हमारे साथ व्यापार कर रहे हैं क्योंकि हम उनसे मूर्खतापूर्ण शुल्क नहीं वसूल रहे हैं। हम उनसे शुल्क नहीं वसूल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि भारत की व्यापार प्रथाओं से अमेरिकी निर्माताओं को भारी नुकसान हुआ है।

ट्रंप का हार्ले डेविडसन का उदाहरण

एक उदाहरण देते हुए, ट्रंप ने अमेरिका के सबसे प्रसिद्ध मोटरसाइकिल ब्रांडों में से एक, हार्ले–डेविडसन के सामने भारत में अपने उत्पाद बेचने में आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा, हार्ले डेविडसन भारत में अपनी मोटरसाइकिल नहीं बेच पा रही थी, क्योंकि मोटरसाइकिल पर 200 प्रतिशत टैरिफ था... हार्ले डेविडसन ने भारत जाकर एक मोटरसाइकिल प्लांट बनाया और अब उन्हें टैरिफ नहीं देना पड़ता। उन्होंने आगे बताया कि अनुचित टैरिफ व्यवस्थाओं ने कंपनियों को अपना उत्पादन अमेरिका से बाहर ले जाने के लिए मजबूर किया है। हालाँकि, उन्होंने यह भी कहा कि उनके प्रशासन की व्यापार नीतियाँ, जिनमें भारी पारस्परिक टैरिफ लगाना भी शामिल है, इस प्रवृत्ति को उलटने लगी हैं। उन्होंने आगे कहा अब हज़ारों कंपनियाँ अमेरिका आ रही हैं... परंपरागत रूप से, कार कंपनियाँ... वे चीन, मेक्सिको, कनाडा से आ रही हैं. .. वे यहाँ निर्माण करना चाहती हैं क्योंकि, पहली बात, उन्हें यहाँ रहना पसंद है, और दूसरी बात, टैरिफ उन्हें सुरक्षा प्रदान करते हैं। और तीसरी बात, वे टैरिफ का भुगतान करने से बचना चाहती हैं। जब आप उनकी कारें यहाँ बनाते हैं, तो आपको कोई टैरिफ नहीं देना पड़ता।

भारत ने टैरिफ को शून्य करने की पेशकश की

इससे पहले सोमवार को, ट्रंप ने यह भी दावा किया कि नई दिल्ली ने व्यापार बाधाओं को बिल्कुल भी कम करने की इच्छा दिखाई है। उन्होंने कहा, भारत ने अब अपने टैरिफ़ को पूरी तरह से कम करने की पेशकश की है, लेकिन अब इसमें देर हो रही है। उन्होंने कहा बहुत कम लोग यह समझते हैं कि हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं, जबकि वे हमारे साथ बहुत ज़्यादा व्यापार करते हैं। दूसरे शब्दों में, वे हमें भारी मात्रा में सामान बेचते हैं, जो उनका सबसे बड़ा ष्याहकष है, लेकिन हम उन्हें बहुत कम बेचते हैं – अब तक यह पूरी तरह से एकतरफ़ा रिश्ता रहा है, और यह कई दशकों से चला आ रहा है। इसकी वजह यह है कि भारत ने अब तक हमसे इतने ज़्यादा टैरिफ़ वसूले हैं, किसी भी देश से ज़्यादा, कि हमारे व्यवसाय भारत में सामान नहीं बेच पा रहे हैं।

अफगानिस्तान में भूकंप का भीषण कहर! 1400 पार हुई मृतकों की संख्या, अंतरराष्ट्रीय मदद की गुहार

संयुक्त राष्ट्र ने पूर्वी अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप में हताहतों की संख्या में और वृद्धि की चेतावनी दी है। वहीं, देश के तालिबान प्रशासन ने कहा है कि मंगलवार को भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,400 से अधिक हो गई और 3,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने जो आंकड़े दिए हैं, वे सिर्फ कुनार प्रांत के हैं। रविवार रात आए 6.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने कई प्रांतों को

हिलाकर रख दिया, जिससे भारी तबाही हुई। भूकंप से कई गांव तबाह हो गए और लोग मिट्टी, कच्ची ईंटों और लकड़ी से बने कच्चे मकानों के मलबे में दब गए, जो इस झटके को झेल नहीं पाए। ऊबड़–खाबड़ पथरीला इलाका बचाव और राहत कार्यों में बाधा डाल रहा है। तालिबान अधिकारियों ने घायलों को उन जगहों से निकालने के लिए कई कमांडो को हवाई मार्ग से क्षेत्र में नीचे उतारा है, क्योंकि वहां हेलीकॉप्टर नहीं उतर सकते। सहायता एजेंसी 'सेव द चिल्ड्रन' ने कहा कि समुदाय के सदस्यों की मदद से उसकी एक टीम चिकित्सा उपकरण पीठ पर लादकर 19 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा कर प्रभावित इलाकों में पहुंची। भूकंप के कारण चट्टान गिरने से इन इलाकों का संपर्क कट गया है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, रविवार को आए भूकंप के केंद्र के पास मंगलवार को फिर से 5. 2 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि भूकंप के बाद आए इस झटके में किसी भी तरह के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर इंद्रिका रत्वाटे ने कहा कि बचावकर्मी पहाड़ी और दुर्गम इलाके तक पहुंचने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। मंगलवार को जिनेवा में संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने हताहतों की संख्या में वृद्धि की आशंका जताई। रत्वाटे ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आगे आने का आग्रह करते हुए कहा, ''हम अफगानिस्तान के लोगों को भूल नहीं सकते जो कई संकटों, कई झटकों का सामना कर रहे हैं और अब उनके सहन करने की शक्ति क्षीण हो गई है।'' उन्होंने कहा, ''ये जीवन और मृत्यु के फैसले हैं, जबकि हम लोगों तक पहुंचने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं।'' संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को बताया कि संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यालय ने संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया को गति देने के लिए अपने आपातकालीन कोष से 50 लाख डॉलर जारी किए हैं और अफगानिस्तान मानवीय कोष से भी 50 लाख डॉलर जारी किए जाएंगे। इससे पहले, अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया, ''घायलों को निकाला जा रहा है, इसलिए ये आंकड़े बदल सकते हैं।'' उन्होंने बताया, ''भूकंप के कारण कुछ इलाकों में भूस्खलन हुआ, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गईं, लेकिन उन्हें फिर से खोल दिया गया है और बाकी सड़कों को भी खोल दिया जाएगा ताकि उन इलाकों तक पहुंच आसान हो सके जहां पहुंचना मुश्किल था।'' ज़्यादातर नुकसान कुनार प्रांत में हुआ है। तालिबान सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मदद की अपील की है। ब्रिटेन ने 10 लाख पाउंड (13 लाख अमेरिकी डॉलर) की आपात धनराशि देने का वादा किया है, जिसे तालिबान सरकार के बजाय मानवीय एजेंसियों के बीच बांटा जाएगा। ब्रिटेन तालिबान सरकार को मान्यता नहीं देता। चीन सहित अन्य देशों ने भी आपदा राहत सहायता की पेशकश की है। वर्ष 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से यह तीसरा बड़ा भूकंप है, और अफगानिस्तान के लिए यह नवीनतम संकट है, जो सहायता निधि में भारी कटौती और कमजोर अर्थव्यवस्था से जूझ रहा है। भारत ने मंगलवार को अफगानिस्तान में भूकंप प्रभावित लोगों की सहायता के लिए 21 टन राहत सामग्री भेजी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा, "भारतीय भूकंप सहायता हवाई मार्ग से काबुल पहुंच रही है।" उन्होंने कहा कि मंगलवार को कंबल, टेंट, स्वच्छता किट, जल भंडारण टैंक, जनरेटर, रसोई के बर्तन, 'पोर्टेबल वाटर प्यूरीफायर', 'स्लीपिंग बैग', आवश्यक दवाइयां, व्हीलचेयर, हैंड सैनिटाइज़र, जल शोधन गोलियां और चिकित्सा उपभोग्य सामग्रियों सहित 21 टन राहत सामग्री भेजी गई।

शांति से रहो या फिर आकर लड़ लो, हथियार सामने रख जिनपिंग ने ट्रंप और दुनिया को दिया सीधा संदेश

चीनी नेता शी जिनपिंग ने एक विशाल सैन्य प्रदर्शन का निरीक्षण किया और सख्त चेतावनी दी कि दुनिया के सामने युद्ध या शांति के बीच चुनाव करने का विकल्प है। शी जिनपिंग ने द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की हार के 80 साल पूरे होने का जश्न मनाया और हजारों सैनिकों तथा उन्नत हथियारों के साथ बीजिंग के मध्य से परेड की। शी के लिए यह क्षण प्रतीकात्मकता से भरपूर था, जो युद्ध के बाद के अमेरिकी नेतृत्व वाले वैश्विक व्यवस्था को और अधिक खुले तौर पर पुनर्परिभाषित करने की उनकी इच्छा को दर्शाता है। शी ने परेड से पहले दिए अपने भाषण में कहा कि अतीत में जब अच्छाई और बुराई, प्रकाश और

अंधकार, प्रगति और प्रतिक्रिया के बीच गंभीर संघर्ष का सामना करना पड़ा, तो चीनी लोग दुश्मन को चुनौती देने के लिए एकजुट हुए। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने देश के अस्तित्व के लिए, चीनी राष्ट्र के पुनरुद्धार के लिए, और पूरी मानवता के लिए न्याय के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि आज मानवता को फिर से शांति या युद्ध, संवाद या टकराव, जीत–जीत सहयोग या शून्य–योग के बीच चयन करना है। आपको बता दें कि ये पहला मौका है जब अमेरिका के तीन बड़े दुश्मन शी जिनपिंग, किम और पुतिन एक साथ किसी समारोह में भाग लिया था। यह परमाणु–सशस्त्र पड़ोसियों द्वारा एकजुटता का प्रदर्शन था और सत्तावादी शासनों पर बीजिंग के कूटनीतिक प्रभाव का संकेत था। अटलांटिक काउंसिल के ग्लोबल चाइना हब के ताइवान स्थित फेलो वेन–टी सुंग ने कहा कि बीजिंग अवज्ञा का संदेश दे रहा है... कि चीन अपने मित्रों के साथ खड़ा होने और उनका वास्तविक साथी बनने से नहीं डरता, यहां तक घ्धकि और शायद तब भी जब वे अंतर्राष्ट्रीय जनमत की अदालत में बहिष्कृत हों।

वर्ष 2015 के बाद से अपनी तरह के पहले इस बेहद योजनाबद्ध कार्यक्रम में शी ने दिवंगत चीनी नेता माओत्से तुंग द्वारा पहने गए सूट के समान कपड़े पहने हुए थे। उन्होंने एक खुली होंगकी लक्जरी सेडान से सैनिकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके सामने बड़ी संख्या में उच्च तकनीक वाले हथियार रखे हुए थे, जिनमें से कुछ का पहली बार सार्वजनिक रूप से अनावरण किया गया था।

इस परेड में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन, पाकिस्तान, नेपाल, मालदीव समेत कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों समेत कुल 26 विदेशी नेताओं ने भाग लिया। यह एक तरह से चीन की राजनयिक शक्ति का भी प्रदर्शन था। वहीं अमेरिका, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय संघ के प्रमुखों ने इस परेड से दूरी बनाए रखी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।